ज्ञान विचार

प्रत्येक ज्ञानी से ज्ञान प्राप्त करो, भले ही वह बालक हो।

PKL NO.KKR/184/2022-24

हिन्दी पाक्षिक राष्ट्रीय समाचार पत्र

सच्ची व स्टीक खबर, आप तक

सम्पादक : जरनैल सिंह

छायाकार : राजरानी

गजब हरियाणा

Contact : 91382-03233

समस्त भारत में एक साथ प्रसारित

HAR/HIN/2018/77311

WWW.GAJABHARYANA.COM ✸ 01 सितम्बर 2023 वर्ष : 6, अंक : 11 पृष्ट : 8 मूल्य: 7/- सालाना 150/- रुपये ✸ email. gajabharyananews@gmail.com

प्रेरणास्रोत: डॉ. कृपा राम पुनिया IAS(Retd.), पूर्व उद्योग मंत्री हरियाणा सरकार

मार्गदर्शक: एन.आर फुले, डिप्टी कमिश्नर (जीएसटी)

मार्गदर्शक: डॉ. राज रूप फुलिया, IAS (Retd), पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार तथा वाइस चांसलर, गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी हिसार एवं चौधरी देवीलाल यूनिवर्सिटी, सिरसा

हल्के की प्रत्येक बहन व बेटी की सुरक्षा व उसकी जरूरत पूरी करने का पूरा प्रयास करूंगा : संदीप गर्ग

प्रसिद्ध समाजसेवी संदीप गर्ग ने धूमधाम से व अनोखे अंदाज में मनाया रक्षाबंधन का त्यौहार

संदीप गर्ग की कलाई पर राखी बांधने का लाडवा में एक अलग ही जुनून दिखाई दिया

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

लाडवा/कुरुक्षेत्र, लाडवा की शिवाला रामकुण्डी में मंगलवार को स्टालवार्ट फाउंडेशन के चेयरमैन एवं प्रसिद्ध समाजसेवी संदीप गर्ग द्वारा रक्षाबंधन का त्यौहार बड़ी ही धूमधाम से और अनोखे अंदाज में मनाया गया। जिसमें लाडवा हल्के की हजारों की संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर समाजसेवी संदीप गर्ग को रक्षाबंधन पर्व को लेकर उनकी कलाई पर राखी बांधी और उनकी दीर्घायु की कामना की।

प्रसिद्ध समाजसेवी संदीप गर्ग ने कहा कि आज का दिन ऐसा दिन है जो सभी बहन-भाइयों के लिए खुशियों भरा दिन होता है और इस दिन का सभी बहन भाई पूरे साल तक इंतजार करते हैं। उन्होंने कहा कि आज उनके लिए बड़ी ही खुशी की बात है कि लाडवा हल्के की हजारों की संख्या में महिलाएं वह लड़कियां बहनों के रूप में अपने भाई की कलाई पर राखी बांधने के लिए शिवाला रामकुण्डी में पहुंची। उन्होंने कहा कि यह भारी भीड़ देखकर अब लग रहा है कि 2024 में इतिहास बदलने वाला है। क्योंकि मैं वोट की नहीं, बल्कि रोटी खिलाने, स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने व दुख-सुख में साथ खड़े रहने की राजनीति करता हूं। उन्होंने कहा कि चुनाव तो सभी ने लड़ना है राजनीति सभी करते हैं, अगर यह सब मेरे राजनैतिक स्टंट है तो मैं ऐसे स्टंट हमेशा करता रहूंगा और समाजसेवा के कार्य जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि जिसके साथ इतनी भारी संख्या में समर्थन देने आई महिलएं हो उस व्यक्ति को कौन हरा सकता है। उन्होंने कहा कि मैं वचनबद्ध हूं कि लाडवा हल्के की प्रत्येक बहन व बेटी की सुरक्षा व उसकी जरूरत पूरी करने का पूरा प्रयास करूंगा। मौके पर नगरपालिका प्रधान साक्षी खुराना, पार्षद स्वाति चोपड़ा, पार्षद गुरमीत कौर, रीमा गर्ग, सविता बंसल, ममता अरोड़ा, नीलम रानी, विजय ढींगड़ा, महात्मा गुरपाल दास, प्यारा सिंह, मुकेश अग्रवाल, हितेश, शेर सिंह, सुमित चोपड़ा, विक्रम कुमार, मनोज कुमार, सुब्बा सिंह, सुरेन्द्र गुप्ता, सुनील गर्ग, सरपंच सोहन, सरपंच दीपक, योगेश नीलवान सहित भारी संख्या में महिलाएं मौजूद थे।

रैली के रूप में पहुंची महिलाएं

मंगलवार को महिलाओं व लड़कियों में शिवाला रामकुण्डी में समाजसेवी संदीप गर्ग की कलाई पर राखी बांधने का एक अलग ही जुनून दिखाई दिया। सुबह साड़े 9 बजे शिवाला रामकुण्डी में यह कार्यक्रम शुरू हुआ और भारी संख्या में महिलाएं और लड़कियां रैली के रूप में रामकुण्डी परिसर में समाजसेवी संदीप गर्ग को राखी बांधने के लिए पहुंची।

सबका साथ देते हैं भाई संदीप गर्ग

मौके पर पहुंची महिला नगरपालिका प्रधान साक्षी खुराना, पार्षद स्वाति चोपड़ा, पार्षद गुरमीत कौर, रीमा गर्ग, सविता बंसल आदि ने कहा कि समाजसेवी संदीप गर्ग एक ऐसे भाई हैं, जो अपनी बहनों की सुरक्षा व रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं और जितने कार्य उनके भाई संदीप गर्ग द्वरा करवाए जा रहे हैं, इतने आज तक लाडवा हल्के में किसी भी नेता ने नहीं करवाए हैं।

संदीप गर्ग को राखी बांधने के बाद महिलाओं ने किया डांस

शिवाला रामकुण्डी में रक्षाबंधन के त्यौहार को लेकर जो कार्यक्रम स्टालवार्ट फाउंडेशन एवं समाजसेवी संदीप गर्ग द्वारा किया गया। उसमें हजारों की संख्या में महिलाएं पहुंची। जिन्होंने समाजसेवी संदीप गर्ग की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा व जमकर डीजे पर अपने भाई की सलामती व उनके दीर्घायु के लिए जमकर डांस भी किया और जमकर ठुमके भी लगाए।

शिवाला रामकुण्डी पर दुकानदारों ने बेची खूब राखियां

समाजसेवी संदीप गर्ग को राखी बांधने का लाडवा की शिवाला रामकुण्डी में एक अलग क्रेज नजर आया। जिस प्रकार से रामकुण्डी में महिलाएं आ रही थी सभी के हाथों में अलग-अलग राखियां नजर आ रही थी। इतना ही नहीं रामकुण्डी के अंदर दुकानदारों ने राखियां बेची व रामकुण्डी के बाहर लगी दुकानों पर भी दुकानदारों ने जमकर राखियां बेची।

सभी के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई

स्टालवार्ट फाउंडेशन की ओर से रक्षाबंधन के त्यौहार पर जो महिलाएं राखी बांधने के लिए कार्यक्रम में पहुंची उनके लिए विशेष रूप से खाने की व्यवस्था भी की गई और समाजसेवी संदीप गर्ग की ओर से सभी बहनों को उपहार भी वितरित किये गए। जिसको लेकर महिलाओं का खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा।

हिसार जिले के गांव सरसोद में गर्ल्स लाइब्रेरी में पांचवीं ऑनलाइन कक्षा शुरू की गई। जिसमे पुर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव हरियाणा एवं सेवानिवृत आईएएस डॉ.राजरूप फुलिया ने एलईडी भेंट की, और मेधावी विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों को पुरस्कार दिए।

हिसार जिले के गांव बाढ़ो पट्टी में छठे ऑनलाइन क्लास रूम के उद्घाटन के दौरान एलईडी भेंट करते पुर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव हरियाणा एवं सेवानिवृत आईएएस डॉ.राजरूप फुलिया। इस अवसर पर मेधावी छात्रों और खिलाड़ियों को सम्मानित भी किया गया।

प्राइवेट बस और ट्रक की आमने-सामने हुई टक्कर

हादसे के समय प्राइवेट बस यात्रियों से भरी हुई थी खचाखच

प्राइवेट बस सर्विस रोड से जा रही थी करनाल की ओर सामने से आ रहे ट्रक से हुई टक्कर

गजब हरियाणा न्यूज/रविंद्र

पिपली । थाना सदर के अंतर्गत सेक्टर 2 के कट के समीप सर्विस रोड पर पर दो वाहनों की आमने-सामने टक्कर हो गई । टक्कर में दोनों वाहनों को नुकसान हुआ है। हालांकि हादसे में कोई जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ है। जिस समय हादसा हुआ उस समय प्राइवेट बस में काफी संख्या में यात्री सवार थे।

रक्षाबंधन का पर्व होने के कारण बस यात्रियों से खचाखच भरी हुई थी। जिस समय दोनों वाहनों की आमने-सामने टक्कर हुई तो बस में सवार यात्रियों में चित्कार मच गई। आमने-सामने की टक्कर में दोनों वाहनों के चालकों को चोटे आई है। बताया जा रहा है कि एक प्राइवेट बस शाहबाद से करनाल के लिए निकली थी। प्राइवेट बस में पिपली से भी सवारियां बैठी थी। प्राइवेट बस सर्विस रोड से करनाल की ओर जा रही थी। इसी दौरान शनि मंदिर की ओर से सर्विस रोड पर गलत दिशा से एक ट्रक आ रहा था। जैसे ही ट्रक सेक्टर 2 कट के समीप पहुंचा तो सामने से आ रही प्राइवेट बस की उसके साथ जोरदार टक्कर टक्कर हो गई।

आमने-सामने की टक्कर में दोनों वाहनो को काफी नुकसान

पहुंचा। वही टक्कर के बाद बस में सवार यात्रियों में चित्कार मच गई । हादसे के बाद सर्विस रोड जाम हो गया। सर्विस रोड पर वाहनों की कतारे लग गई।

हादसे की सूचना मिलती ही थाना सदर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने क्रेन को की मदद से प्राइवेट बस व ट्रक को वहां से हटाकर यातायात सुचारु किया। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्राइवेट बस और ट्रक की टक्कर में दोनों वाहनों का नुकसान हुआ है। जान माल की कोई हानि नहीं पहुंचा है। उन्होंने बताया कि अगर उनके पास शिकायत आएगी तो पुलिस कार्रवाई करेगी। वहीं थाना सदर प्रभारी दिनेश कुमार ने बताया कि सेक्टर 2 के कट के समीप सर्विस रोड पर प्राइवेट बस और एक ट्रक में आमने-सामने की टक्कर हुई थी। टक्कर लगने के बाद थोड़ी देर के लिए यातायात जाम हुआ था।

जिसे पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सुचारु कर दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है ।

दिसंबर के अंत तक निर्वाचित गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी मिलने की संभावना : भूपिंदर

एक सितंबर से बनेंगे नए वोट, अधिक से अधिक लोग बनवाएं वोट, सरकार वोट के लिए गुरुद्वारों तथा स्कूलों को बनाएं केंद्र

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल, हरियाणा गुरुद्वारा सिख प्रबंधक कमेटी के वरिष्ठ उप प्रधान भूपिंदर सिंह असंध ने कहा कि जनवरी से पहले हरियाणा के सिखों को नई निर्वाचित गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी मिल जाएंगी, ऐसी संभावना हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनावों के लिए वोट बनवाने के प्रक्रिया एक सितंबर से शुरू हो जाएगी, जोकि 30 सितंबर तक जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि अधिक से अधिक केशधारी सिख अपनी वोट अवश्य बनवाएं। उन्होंने कहा कि वोट बनवाने के लिए सरकार सभी गुरुद्वारों स्कूलों तथा डेरों के साथ लोगों के करीब तक वोट बनवाने के लिए केंद्र बनवाए। वह करनाल के मंजी साहिब गुरुद्वारे में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने बताया कि 30 सितंबर तक वोट बनेंगे। उसके बाद आपत्ति और स्क्रूटनी होगी। बाद में अंतिम रूप से वोटर लिस्ट बनेगी। उन्होंने बताया कि इसमें समय लग जाएगा, यदि वाहे गुरु की मेहर रही तो दिसंबर या जनवरी से पहले चुनाव हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि वह इसके लिए मनोहर सरकार के आभारी हैं। पहले उन्होंने कमेटी को दिलवाने में बाद में चुनाव के लिए आयोग गठित करने तथा अब वोट बनवाने की प्रक्रिया शुरू करवाने के लिए सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी संगतों से अपील की कि अधिक से अधिक संख्या में वोट बनवाएं। इससे प्रदेश में सिखों की असली ताकत का पता चल सकेगा। उन्होंने वोट बनवाने के लिए व्यक्ति का केश धारी और नशे से दूर होना जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि लंबे इंतजार के बाद पहला मौका सिखों को मिला हैं जब वह अपने हरियाणा की अलग से बनी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के लिए वोट डालेंगे। प्रदेश के ऐतिहासिक गुरुद्वारों के प्रबंधन के लिए सभी लोग ऐसी कमेटी चुनें जो पंथ की मर्यादा बना कर रखे और संगत की कसोटी पर

खरी उतरे। उन्होंने कहा कि हरियाणा में 20 से 25 लाख वोटर बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि अकेले करनाल में आज से 20 साल पहले 70 हजार वोटर थे। हरियाणा में आठ हलके थे। अब तक तो बढ़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि निफा के प्रीतपाल सिंह पन्नू, गुरतेज सिंह खालसा इतना बेहतर कार्यक्रम कर रहे हैं। वे गुरु नानक देव जी के करनाल आगमन की वर्षगांठ पर कार्यक्रम कर रहे हैं। इसके लिए उन्होंने सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सभी संतों गुरुओं को याद किया जा रहा हैं। सभी गुरुद्वारों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। इस अवसर पर गुरतेज सिंह खालसा ने बताया कि सभी लोग वोट बनवाएं, कल लोग दोष ना दें कि गलत हाथों में कमेटी चली गई। उन्होंने कहा कि वोट बनवाकर अपने मत का सही प्रयोग करें। इस अवसर पर अमृत पाल सिंह ने भी जानकारी दी।

पेरियार ललई सिंह यादव थे बुद्ध, पेरियार और आंबेडकर की वैचारिकी के वाहक

कांग्रेस (1885) द्वारा ब्रिटिश सत्ता के खिलाफ संघर्ष शुरू करने से करीब एक दशक पहले जोतीराव फुले (11 अप्रैल, 1827–28 नवंबर, 1890) ने वर्ण–जाति व्यवस्था और पितृसत्ता के खिलाफ संघर्ष की शुरुआत कर दी थी। 1873 में प्रकाशित फुले की किताब 'गुलामगिरी' वर्ण–जाति व्यवस्था को पोषित करने वाले ब्राह्मणवाद से मुक्ति का पहला घोषणा–पत्र थी। धीरे–धीरे पूरे देश में वर्ण–जाति व्यवस्था और उसे पोषित करने वाली विचारधारा ब्राह्मणवाद के खिलाफ संघर्ष शुरू हो गया।

दक्षिण भारत के तमिलनाडु में इसकी मजबूत नींव आयोथी थास (20 मई 1845–1915) ने डाली, तो केरल में इसकी नींव श्रीनाराणय गुरु ने डाली। तमिलनाडु में आयोथी थास के आंदोलन को पेरियार ईवी रामासामी (17 सितंबर,1879–24 दिसंबर, 1973) ने एक नई ऊंचाई और विस्तार दिया, तो केरल में श्रीनाराणय गुरु ((20 अगस्त, 1856 – 20 सितंबर, 1928) के आंदोलन को अय्यंकली (28 अगस्त 1863–18 जून 1941) ने क्रांतिकारी आंदोलन में बदल दिया, जिसने केरल के सामाजिक जीवन में उथल–पुथल पैदा कर दिया।

पश्चिमोत्तर भारत में फुले दंपत्ति द्वारा शुरू किए गए ब्राह्मणवाद विरोधी संघर्ष को शाहू जी महराज (26 जून, 1874–6 मई, 1922) ने अपने राज्य कोल्हापुर में जमीन पर उतार दिया, तो डॉ. आंबेडकर (14 अप्रैल,1891–6 दिसंबर, 1956) ने उसे एक नई ऊंचाई और व्यापक विस्तार दिया और राष्ट्रव्यापी स्तर पर वर्ण–जाति व्यवस्था और पितृसत्ता विरोधी आंदोलन के नायक बने।

उत्तर भारत भी ब्राह्मणवादी विरोधी राष्ट्रव्यापी आंदोलन से अछूता नहीं रहा है। स्वामी अछूतानंद (6 मई, 1879–20 जुलाई, 1933) और चंद्रिका प्रसाद 'जिज्ञासु' (1885– 12 जनवरी, 1974) ने काउ वेल्ट (उत्तर भारत) में वर्ण–जाति व्यवस्था विरोधी आंदोलन की नींव रखी। इस आंदोलन को ललई सिंह यादव ने एक नई ऊंचाई एवं विस्तार दिया। उनकी वैचारिकी के निर्माण में उत्तर भारत के बहुजन नायकों स्वामी अछूतानंद और चंद्रिका प्रसाद 'जिज्ञासु' ने प्राथमिक भूमिका अदा की, लेकिन उसे एक नई गहराई एवं उंचाई पेरियार ईवी रामसामी, डॉ. आंबेडकर और गौतम बुद्ध के विचारों ने प्रदान किया। सच तो यह है कि ललई सिंह यादव की वैचारिकी की आधारशिला गौतमबुद्ध, पेरियार ईवी रामासामी और डॉ. आंबेडकर के वैचारिकी से निर्मित हुई।

ललई सिंह यादव जीवन परिचय
(1 सितंबर विशेष)

ललई सिंह यादव ने अपना पूरा जीवन बुद्ध, पेरियार और डॉ. आंबेडकर की वैचारिकी को प्रसारित–प्रचारित करने में लगा दिया, क्योंकि उनका मानना था कि यही वैचारिकी भारत को मध्यकालीन सामाजिक व्यवस्था (वर्ण–जाति व्यवस्था) और मानसिकता से बाहर निकाल सकती है, वर्ण–जाति की पोषक विचारधारा ब्राह्मणवाद से मुक्ति दिला सकती है और एक आधुनिक भारत का निर्माण कर सकती है।

पेरियार ईवी रामासामी की 'सच्ची रामायण' और डॉ. आंबेडकर की किताब 'सम्मान के लिए धर्मपरिवर्तन' को प्रकाशित करने के चलते उन्हें एक दशक तक अदालतों में मुकदमें का सामना करना पड़ा, क्योंकि इन दोनों किताबों के प्रकाशित होते ही, उत्तर प्रदेश सरकार ने इन्हें प्रतिबंधित कर दिया। ब्रिटिश सत्ता और आजाद भारत की दोनों सत्ताओं ने ललई सिंह यादव की किताबों को प्रतिबंधित किया है। ब्रिटिश सत्ता उनकी किताब 'सिपाही का विद्रोह' को 1947 में ही प्रतिबंधित करके जब्त कर चुकी थी।

फिर आया वह वर्ष 1968 का समय था। तब पूरे उत्तर भारत में कोई यह कल्पना भी नहीं कर सकता था कि हिंदुओं के आराध्य राम के खिलाफ कोई किताब भी प्रकाशित हो सकती है और यदि प्रकाशित हुई तो उसका हश्र क्या होगा, लेकिन यह हुआ और नामुमकिन लगने वाले इस सच को साबित किया था ललई सिंह यादव (1 सितंबर, 1911–7 फरवरी, 1993) ने। उन्होंने ईवी रामासामी पेरियार की किताब सच्ची रामायण का अनुवाद 1968 में हिंदी में प्रकाशित किया। बाद में उन्होंने आंबेडकर की किताब 'सम्मान के लिए धर्म परिवर्तन' का भी प्रकाशन किया। ब्राह्मणवादी व्यवस्था के खिलाफ उनके इस अदम्य साहस का ही परिणाम रहा कि उन्हें पेरियार की उपाधि भी मिली।

9 दिसंबर, 1969 को उत्तर प्रदेश सरकार ने ईवी रामासामी 'पेरियार' की अंग्रेजी पुस्तक 'रामायण: अ ट्रू रीडिंग' और उसके हिंदी अनुवाद 'सच्ची रामायण' को ज़ब्त कर लिया, और इसके प्रकाशक पर मुक़दमा कर दिया था। इसके हिंदी अनुवाद के प्रकाशक ललई सिंह यादव थे और इसका अनुवाद राम आधार जी ने किया था। उत्तर भारत के पेरियार नाम से चर्चित हुए ललई सिंह ने जब्ती के आदेश को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी। वे हाईकोर्ट में मुकदमा जीत गए।

सरकार ने हाईकोर्ट के निर्णय के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई तीन जजों की खंडपीठ ने की। खंडपीठ के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वीआर कृष्ण अय्यर थे तथा दो अन्य न्यायमूर्ति पीएन भगवती और सैयद मुर्तज़ा फ़ज़ल अली थे। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मामले पर 16 सितंबर 1976 को सर्वसम्मति से फैसला देते हुए राज्य सरकार की अपील को खारिज कर दिया। इस तरह से करीब सात वर्षों बाद ललई सिंह यादव को अंतिम जीत मिली।

इसी तरह 26 अगस्त 1970 को उत्तर प्रदेश सरकार ने डॉ. आंबेडकर के भाषणों के पुस्तकाकार संकलन 'सम्मान के लिए धर्म परिवर्तन करें' को जब्त करने का आदेश दिया था। इसके प्रकाशक आरएन शास्त्री तथा डॉ. भीमराव आंबेडकर साहित्य समिति के अध्यक्ष, ललई सिंह यादव थे। इन दोनों ने सरकारी आदेश को इलाहाबाद हाई कोर्ट में चुनौती दी। कोर्ट में डब्ल्यू ब्रूम, वाई नंदन, एस मलिक की खंडपीठ ने सरकारी आदेश को अनुचित करार दिया और प्रतिबंध को निरस्त करने का न्यायादेश दिया।

इन दो किताबों के अतिरिक्त पेरियार ललई सिंह यादव द्वारा लिखी किताब 'आर्यों का पोल प्रकाश' को भी प्रतिबंध का सामना करना पड़ा। सच्ची रामायण को संदर्भ सहित व्याख्यित करने के लिए पेरियार ललई सिंह यादव ने 'सच्ची रामाणय की चाभी' लिखी, उस किताब पर भी उत्तर प्रदेश सरकर ने प्रतिबंध लगा दिया और उन्हें मुकदमा लड़ना पड़ा।

गौतम बुद्ध, डॉ. आंबेडकर और पेरियार ईवी रामासामी के विचारों को प्रसारित–प्रचारित करने के लिए ललई सिंह यादव ने कई पुस्तिकाएं और किताबें तैयार कीं। 'बुद्ध की मानसिक परिवर्तन की अवधारणा', 'तथागत बुद्ध का धर्मदर्शन', 'कमाल सूत्र स्वतंत्र चिंतन का घोषणा–पत्र', 'तथागत बुद्ध को क्या पसंद था और क्या नापसंद था'? और 'ईश्वर, आत्मा और वेदों में विश्वास अधर्म है' आदि उनकी बुद्ध पर महत्वपूर्ण पुस्तिकाएं और किताबें हैं।

डॉ. आंबेडकर का व्यक्तित्व एवं कृतित्व', 'डॉ. आंबेडकर और उनका धर्म–दर्शन' और 'ब्राह्मणी समाज रचना' आदि उनकी डॉ. आंबेडकर के विचारों को केंद्र में रखने वाली किताबें–पुस्तिकाएं हैं। ललई सिंह यादव ने पेरियार की किताब प्रसिद्ध किताब सच्ची रामाणय के साथ ही उनके भाषणों को भी पुस्तिका के रूप में हिंदी में प्रकाशित किया, जिसमें पेरियार द्वारा लखनऊ और कानपुर में दिया गया उनका भाषण भी शामिल हैं।

वर्ण–जाति व्यवस्था आधारित ऊंच–नीच के श्रेणीक्रम, इसे औचित्य प्रदान करने वाले मिथकों–नायकों और इस सबको जायज ठहराने वाले वाले तथ्यों एवं तर्कों को खारिज करने लिए और न्याय एवं समता के विचारों को प्रतिपादित करने के लिए पेरियार ललई सिंह यादव ने नाटकों एवं पुस्तिकाओं की भी रचना की। जिनमें मुख्य हैं– 'अंगुलीमाल', 'शंबूक वध', 'वीर संत महामाया बलिदान' और 'एकलव्य'। उनकी तीन पुस्तिकाएं अत्यन्त चर्चित हैं– 'शोषितों पर धार्मिक डकैती', 'शोषितों पर राजनीतिक डकैती' और 'सामाजिक विषमता कैसे दूर करें'।

उन्हें पेरियार की उपाधि पेरियार की जन्मस्थली और कर्मस्थली तमिलनाडु में मिली। बाद में वे हिंदी पट्टी में उत्तर भारत के पेरियार के रूप में प्रसिद्ध हुए। बहुजनों के नायक पेरियार ललई सिंह का जन्म 1 सितंबर, 1911 को कानपुर के झींझक रेलवे स्टेशन के पास कठारा गांव में हुआ था। अन्य बहुजन नायकों की तरह उनका जीवन भी संघर्षों से भरा हुआ रहा।

वह 1933 में ग्वालियर की सशस्त्र पुलिस बल में बतौर सिपाही भर्ती हुए थे, पर कांग्रेस के स्वराज का समर्थन करने के कारण, जो ब्रिटिश हुकूमत में जुर्म था, वह दो साल बाद बर्खास्त कर दिए गए। उन्होंने अपील की और अपील में वह बहाल कर दिए गए। 1946 में उन्होंने ग्वालियर में ही 'नान–गजेटेड मुलाजिमान पुलिस एंड आर्मी संघ' की स्थापना की, और उसके सर्वसम्मति से अध्यक्ष बने।

इस संघ के द्वारा उन्होंने पुलिसकर्मियों की समस्याएं उठाईं और उनके लिए उच्च अधिकारियों से लड़े। जब अमेरिका में भारतीयों ने लाला हरदयाल के नेतृत्व में 'गदर पार्टी' बनाई, तो भारतीय सेना के जवानों को स्वतंत्रता आंदोलन से जोड़ने के लिए 'सोल्जर ऑफ द वार' पुस्तक लिखी गई थी। ललई सिंह ने उसी की तर्ज पर 1946 में 'सिपाही की तबाही' किताब लिखी, जो छपी तो नहीं थी, पर टाइप करके उसे सिपाहियों में बांट दिया गया था, लेकिन जैसे ही सेना के इंस्पेक्टर जनरल को इस किताब के बारे में पता चला, उसने अपनी विशेष आज्ञा से उसे जब्त कर लिया। 'सिपाही की तबाही' वार्तालाप शैली में लिखी गई किताब थी। यदि वह प्रकाशित हुई होती, तो उसकी तुलना आज महात्मा जोतिबा फुले की 'किसान का कोड़ा' और 'अछूतों की कैफियत' किताबों से होती।

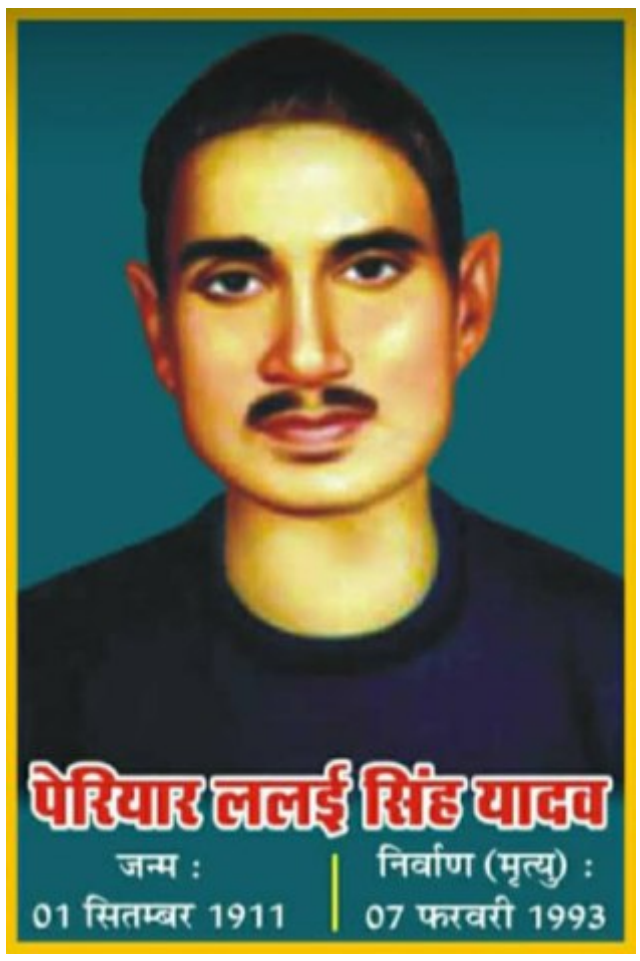

जगन्नाथ आदित्य ने अपनी पुस्तक में 'सिपाही की तबाही' से कुछ अंशों को कोट किया है, जिनमें सिपाही और उसकी पत्नी के बीच घर की बदहाली पर संवाद होता है। अंत में लिखा है, 'वास्तव में पादरियों, मुल्ला–मौलवियों–पुरोहितों की अनदेखी कल्पना स्वर्ग तथा नर्क नाम की बात बिल्कुल झूठ है। यह है आंखों देखी हुई, सब पर बीती हुई सच्ची नरक की व्यवस्था सिपाही के घर की। इस नरक की व्यवस्था का कारण है, सिंधिया गवर्नमेंट की बदइंतजामी। अत: इसे प्रत्येक दशा में पलटना है, समाप्त करना है। 'जनता पर जनता का शासन हो', तब अपनी सब मांगें मंजूर होंगी।'

इसके एक साल बाद, ललई सिंह ने ग्वालियर पुलिस और आर्मी में हड़ताल करा दी, जिसके परिणामस्वरूप 29 मार्च, 1947 को उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। मुकदमा चला, और उन्हें पांच साल के सश्रम कारावास की सजा हुई। नौ महीने जेल में रहे, और जब भारत आजाद हुआ, तब ग्वालियर स्टेट के भारत गणराज्य में विलय के बाद, वह 12 जनवरी, 1948 को जेल से रिहा हुए।

1950 में सरकारी सेवा से मुक्त होने के बाद उन्होंने अपने को पूरी तरह बहुजन समाज की मुक्ति के लिए समर्पित कर दिया।

'अशोक पुस्तकालय' और 'सस्ता प्रकाशन' की स्थापना की। उन्हें इस बात का गहराई से आभास हो चुका था कि ब्राह्मणवाद के खात्मे के बिना बहुजनों की मुक्ति नहीं हो सकती है। एक सामाजिक कार्यकर्ता, लेखक और प्रकाशक के रूप में उन्होंने अपना पूरा जीवन ब्राह्मणवाद के खात्मे और बहुजनों की मुक्ति के लिए समर्पित कर दिया। 7 फरवरी, 1993 को उन्होंने अंतिम विदा ली।

सोशल मीडिया साभार

ज्ञान गुरज लिया हाथ में ,शील शब्द तलवार , शीश काल का कूटकर 'दुर्बल 'उतरा पार

युग प्रवर्तक श्री दुर्बल नाथ (जयंती विशेष, 3 सितम्बर)

राजस्थान जितना वीरता के लिए प्रसिद्ध है उतना ही ऋषि मुनियों के लिए।
अरावली पर्वतमाला की तलहटी में बसा है अलवर जिला।
अलवर की लक्ष्मण गढ़ की तहसील में एक गांव है जिसका नाम है बिचगंवा।

कच्ची झोपड़ियों का एक समूह खटिक माडी , इसमें श्री फत्तुराम व रूपा देवी के भाद्रपद सुदी एकादसी 11 वि. स. 1918 को एक सुंदर देव स्वरुप शिशु ने जन्म लिया। यही बालक कालांतर में अपने तप एवं कर्म के बल पर युग प्रवर्तक श्री दुर्बल नाथ के नाम से विख्यात हुआ। आपका बचपन का नाम कल्या था। आप गाय चराते थे किन्तु उस परम तत्व की खोज में कई कई घंटे तप और साधना में बीत जाते थे। ये खबर जब घर वालों को लगी तो वो बहुत चिंतित होने लगे और सोचने लगे की कहीं हमारा कल्या साधू न बन जाये।

अत: आपका बाल्य काल में ही विवाह सजातीय अलवर शहर की मानवती कन्या से कर दिया। गृहस्थ का पालन करते हुए भी आपका मन निरंतर परमात्मा की खोज में लगा रहता।

आपने अपने तपोबल से यह जानकर की श्याम्दा गद्दी पर विराजमान साधू श्री गरीबनाथ महाराज (समर्थ गुरु है) को अपना गुरु बनाया श्री गरीबनाथ जी ने आपको मंत्र बोध करा कर नाम कल्या से दुर्बल नाथ किया।

आपने आश्रम बांदीकुई में पूर्व घोषणानुसार चेत्र सुदी पूर्णिमा को वि.स..1986 में भक्तो के सम्मुख शारीर त्याग दिया। आप इस संसार में 67 वर्ष ,7 माह ,5 दिन रहे। आपने 39 वर्ष तक वैराग्य जीवन व्यतीत किया आप अनपढ़ थे। आप ने अपने तपोबल से अनुभव करके 1396 वाणियो की रचना की आपकी पुस्तक का नाम' अनुभव आत्म प्रकाश' है।

आपने अपने वैराग्य जीवन में अलवर भरतपुर ,जयपुर सवाई माधोपुर ,दिल्ली करोली अम्बाला आदि स्थानों पर प्रवास किया।

आपने भक्तो सेवको को उपदेश दिया आपने श्याम्दा, थली ,जमुआ रामगढ ,बांदीकुई आदि स्थानों पर आश्रमों का निर्माण किया।

इस दौरान विभिन्न दीन दुखियों के कष्ट–मुक्त कर चमत्कारिक कार्य किये

1. जब गुरु गरीबनाथ जी ने अपना रूप शेर का किया तो आपने स्वयं को गाय का रूप देकर गुरु को प्रणाम किया।
2. करोली नरेश महाराज भंवरपाल सिंह के सामने भारी पत्थर की शिला को तैरा कर जन समूह को दिखाया।
3. जमुआ रामगढ में शेर द्वारा मारी गई गाय को उसके बछड़े के रुदन से द्रवित होकर गाय को जीवन दान दिया।
4. गोपाल गढ़ (जयपुर) के रणजीता गुर्जर के इकलोते मृत पुत्र को जन समूह के सामने जीवन दान दिया।
5. बीजा राम सेवक जो की अँधा था को नेत्रों में ज्योति का संचार किया।
6. जमुआ रामगढ में भादो सुदी एकादशी(जल झुलनी) को सत्संग में भक्तो की मांग पर श्री कृष्ण के दर्शन कराये।
7. बांदीकुई में आपने शारीर त्यागने का दिन 6 माह पहले ही घोषित कर दिया। और उसी दिन शरीर को त्याग दिया।

इस प्रकार आपने अपने तपोबल से जन जन का कल्याण किया आपके चिंतन अनुभव में समस्त शास्त्रों का सारांश नज़र आता है आपकी खोज केवल सर्व शक्तिमान एवं परम तत्तव की खोज है।

आपने तंत्र –मंत्र जादू – टोना पाखंड का खंडन किया। आपने संत अखंडी पंथ की स्थापना कर नए युग का सूत्र पात किया। आप श्री गोरक्ष नाथ एवं भरथरी वैराग्य के संत थे।

अंत में धन्य है वो धरा जिस पर अनंत श्री दुर्बल नाथ जी महाराज जैसे संतो ने जन्म लिया।

जरनैल सिंह रंगा

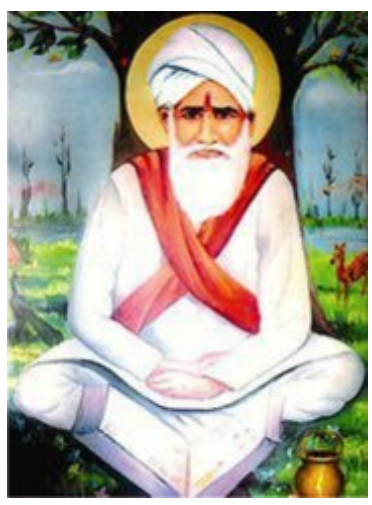

सीएम मनोहर लाल की विकासशील सोच से बदली प्रदेश सहित घरौंडा क्षेत्र की तस्वीर : कल्याण

गजब हरियाणा न्यूज/अमित बंसल

घरौंडा, घरौंडा के विधायक हरविंद्र कल्याण ने निवास पर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों व शहर से आए लोगों की सार्वजनिक व निजी समस्याएं सुनी और उनका निराकरण करने का आश्वासन दिया और अधिकारियों को उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

इस दौरान गांव बस्सी से आए ग्रामीणों ने मुंडीगढ़ी से बस्सी रोड के बचे हिस्से निर्माण करवाने, फैजलिपुर में चौपाल, स्कूल भवन, मोडीपुर में बिजली की लटकी तारें ऊपर कराने, कालरम में खेतों के रास्ते बनवाने सहित अनेकों मांग विधायक हरविंद्र कल्याण के सामने रखी। जिन पर विधायक ने विभागीय अधिकारियों को सभी कार्यों की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि क्षेत्र के लोगों की सेवा करना मेरा प्रथम दायित्व है और इसके लिए मैं सदैव तत्पर हूं।

उन्होंने इस दौरान कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल की सकारात्मक सोच का नतीजा है जो आज क्षेत्र में काफी बड़ी बड़ी सुविधाएं, बड़े बड़े प्रोजेक्ट तथा अनेकों जन कल्याणकारी योजनाओं से लोगों का भला हो रहा है। आम जन से संबंधित सार्वजनिक कार्यों के लिए सरकार के पास धन की कोई कमी नही है। सरकार का प्रयास है कि जो भी योजनाएं चलाई जा रही है, उनका लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में घरौंडा विधानसभा क्षेत्र में जो कार्य हुए है, पूर्व की सरकारों में वह पहले कभी नहीं हुए।

गांव गोबिंदगढ़ में अवैध कॉलोनियों में किए गए निर्माण पर चला पीला पंजा

उपायुक्त शांतनु शर्मा के आदेशानुसार प्रशासन ने की कार्रवाई डीटीपी की टीम ने अवैध कॉलोनी में मिट्टी की सडकों को किया नष्ट

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, जिला नगर योजनाकार की टीम ने उपायुक्त शांतनु शर्मा के आदेशानुसार राजस्व संपदा गांव गोविंदगढ़ तहसील लाडवा में विकसित हो रही 1 अवैध कॉलोनी में जिला प्रशासन की मदद से तोड़-फोड़ की कार्रवाई अमल में लाई गई। जिला नगर योजनाकार अधिकारी अशोक गर्ग ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि राजस्व संपदा गांव गोविंदगढ़ तहसील लाडवा में विकसित हो रही 1 अवैध कालोनी में उपायुक्त शांतनु शर्मा के आदेशानुसार प्रशासन के सहयोग से तोड़फोड़ की कार्रवाई अमल में लाई गई है।

डीटीपी अशोक गर्ग ने कहा कि उपायुक्त शांतनु शर्मा के आदेशानुसार नगर पालिका सचिव लाडवा राजकुमार को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया था। डयूटी मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में पुलिस बल के साथ डीटीपी की टीम ने राजस्व संपदा गांव गोबिंदगढ़ तहसील लाडवा में 1 एकड़ भूमि में पनप रही 1 अवैध कॉलोनी में निर्मित मिट्टी की कच्ची सडकों पीले पंजे से हटाया गया। उन्होंने कहा कि डीटीपी विभाग के पास राजस्व संपदा गांव गोबिंदगढ़ तहसील लाडवा में अवैध कॉलोनी के पनपने का मामला आया था, जिसके उपरांत विभाग द्वारा भूस्वामी और प्रॉपर्टी डीलरों को एचडीआर एक्ट 1975 की धाराओं के तहत नोटिस जारी कर जरुरी अनुमति लेने के आदेश दिए गए थे। परंतु भूस्वामी और प्रॉपर्टी डीलरों ना तो अवैध कालोनियों में किए जा रहें निर्माण को रोका और ना ही विभाग से अनुमति प्राप्त की। इस पर कार्रवाई करते हुए विभाग द्वारा इन अवैध कालोनियों में निर्माण को नष्ट करने का काम किया गया है।

उन्होंने लोगों को सचेत करते हुए कहा कि सस्ते प्लाटों के चक्कर में प्रॉपर्टी डीलर के बहकावे में आकर प्लाट ना खरीदें और ना ही किसी प्रकार का निर्माण कार्य करे। इतना ही नहीं जमीन की खरीद करने से पहले डीटीपी कार्यालय से कॉलोनी की वैधता और अवैधता की जानकारी प्राप्त कर लें। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदार भी रजिस्ट्री करने से पहले सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पालना करें। यदि कोई व्यक्ति अवैध कालोनियों में कोई प्लॉट खरीदता है तो उसके विरुद्ध भी डीटीपी कार्यालय द्वारा कार्रवाई अमल में लाई जाएगी और जिसमें 50 हजार का जुर्माना व 3 साल की सजा का प्रावधान है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि सरकार द्वारा चलाई गई ग्रुप हाउसिंग स्कीम दीनदयाल हाउसिंग स्कीम, अफोर्डेबल ग्रुप हाउसिंग स्कीम के तहत 5 एकड़ भूमि पर लाइसेंस प्रदान किया जाता है, जिसमें आवेदन करके कॉलोनी काटने की जरूरी अनुमति प्राप्त की जा सकती है।

बेसहारा पशुओं पकडकर गउशाला में छुड़वाया

लोगों से लगातार प्राप्त हो रही थी पशुओं की शिकायत, अभियान आगे भी रहेगा जारी

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । नगर परिषद थानेसर के कार्यकारी अधिकारी दवेंद्र नरवाल ने बताया कि सोमवार को शहर में बेसहारा पशुओं को पकडऩे का अभियान चलाया। अभियान के दौरान टीम ने शहर से करीब 15 पशुओं को पकडकर बारना व मथाना गउशाला में पहुंचाया जहां पर उनकी पूरी देख-रेख की जाएगी। कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि उन्हें शहवासियों से लगातार बेसहारा पशुओं बारे शिकायतें प्राप्त हो रही थी जिसके आधार पर उक्त ऐसे पशुओं को पकडऩे के लिए टीम का गठन किया है जिसमें जसबीर, राकेश, गौरव, बिट्टू आदि होंगे। इसके अलावा नरवाल ऐसे लोगों को भी चेताया जोकि अपने पशुओं को जानबूझकर खुले में छोड़ देते है। एसआई संजय ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति ऐसा पाया गया जो इस तरह से पशुओं को खुले में छोड़ देते हैं उन पर जुर्माना लगाए जाने की कार्रवाई को अमल में लाया जाएगा। क्योंकि प्शुओं के कारण कई बार सडक हादसे भी जाते हैं जिनसे जानमाल की हानि भी होती है। उन्होंने बताया कि सोमवार को न्यू बस स्टैंड, मोहन नगर, डीसी कार्यालय, सलारपुर रोड व पिपली एरिया से बेसहारा पशुओं को पकड़ा है और जल्द ही पूरे शहर से ऐसे पशुओं को गउशाला में पकडकर छोड़ दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

बैंकेट हॉल, होटलों इत्यादि में शादी व अन्य कार्यक्रमों के दौरान फायरिंग करने पर पूर्णत प्रतिबंध

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, जिलाधीश एवं उपायुक्त शांतनु शर्मा ने कहा कि कुरुक्षेत्र जिले में स्थित सभी बैंकेट हाल, होटलों तथा अन्य जगहों पर शादी विवाह के दौरान फायरिंग करने पर पूर्णत: प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए गए है। हरियाणा सरकार गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के आदेशानुसार जिला कुरुक्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी जान माल के नुकसान को ध्यान में रखते हुए बैंकेट हाल व होटलों तथा अन्य जगहों पर विवाह शादी में जश्न के दौरान फायरिंग करने पर पूर्णत- प्रतिबंध लगाने के लिए धारा 144 के तहत आदेश जारी किए गए है।

उन्होंने कहा कि इन आदेशों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि बैंकेट हॉल और होटलों के मैनेजर बुकिंग करवाने वाले लोगों से शपथ पत्र भी लेंगे कि समारोह के दौरान किसी प्रकार के हथियार का प्रयोग नहीं करेंगे। इतना ही नहीं सभी बैंकेट हाल और होटल संचालक अपने संस्थान में इस संदर्भ में आवश्यक दिशा-निर्देश को लेकर चेतावनी संबधी बोर्ड भी तथा सीसीटीवी कैमरे भी लगवाएंगे। पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र, सब डिविजनल मजिस्ट्रेट, नगर परिषद व नगर पालिका के कार्यकारी अधिकारी इन आदेशों की पालना करवाना सुनिश्चित करेंगे। यह आदेश 30 सितंबर 2023 तक जारी रहेंगे।

रक्षाबंधन के दिन बसों में रही महिलाओं की भीड़ बसो में चढ़ने के लिए बहनों को करनी पड़ी मशकत

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल । रक्षाबंधन का त्योहार बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। रक्षाबंधन को लेकर बाजारों में कई दिन से रौनक है। बहनों ने अपने भाइयों के लिए कई दिन पहले ही राखी, धागों की खरीदारी शुरु कर दी थी। बहनों ने अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगा आरती उतारकर राखी बांधी। रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहन के प्यार और स्नेह का प्रतीक है। इस दिन बहनें अपने भाईयों की कलाई पर रक्षासूत्र बांधती हैं और भाई भी बहन की रक्षा का संकल्प लेता है।

बुधवार को रक्षाबंधन के दिन बहनों को भाईयों की कलाई पर राखी बांधने से पहले कड़ी परीक्षा से गुजरना पड़ा। दिनभर बस अड्डों पर महिलाओं व छोटे बच्चों की भारी भीड़ रही। महिलाओं को बसों में चढऩे के लिए दौड़ तक लगानी पड़ी। दिनभर यही हालात रहे बल्कि बीती शाम को ही अनेक महिलाएं अपने भाइयों को राखी बांधने के लिए मायके के लिए रवाना हो गई लेकिन भीड़ में महिलाएं परेशान रही और पसीने से तर हो गई।

सुबह ही अनेक बहनों ने अपने घरों से निकलना शुरु कर दिया और बस अड्डों पर बड़ी संख्यां में महिलाएं जुटना शुरु हो गई। स्थानीय बस अड्डे पर महिलाओं की भीड़ के आगे बसे भी कम पड़ गई। महिलाएं छोटे बच्चों, झोले व बैग उठाए दिनभर इधर उधर जाती दिखाई दी। अड्डा के अंदर प्रवेश करते ही बसें महिलाओं व बच्चों से खचाखच भरती रहीं। जिन महिलाओं को बसों में जगह नहीं मिल पाई तो ऐसी महिलाओं ने किराए के निजी वाहनों में आवागमन किया जिसमें कुछ निजी वाहन चालकों द्वारा निर्धारित किराए से ज्यादा पैसे वसूलने की बात भी सामने आई।

बस स्टेंड इंद्री में अनेक महिलाओं व बच्चों को घंटों तक बसों का इंतजार करना पड़ा। करनाल, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर, पानीपत, दिल्ली, सहारनुपर, गुरुग्राम, हिमाचल व पंजाब जाने वाली बसें इंद्री बस स्टेंड से होकर गुजरी। अनेक महिलाएं छोटे बच्चों व अपने थैलों को उठाए बसों में चढऩे के लिए मशकत करने के साथ ही बसों के पीछे दौड़ लगाती नजर आई। अड्डा के अंदर पहुंचते ही सवारियां उतरने से पहले ही बसों में चढऩे के लिए महिलाएं जद्दोजहद करती दिखीं।

चौकीदारों को रक्षाबंधन पर सरकार ने दिया नायाब तोहफा, बढ़ाया मानदेय

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

चंडीगढ़ । मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर ने ग्रामीण चौकीदारों को रक्षाबंधन पर नायाब तोहफा देते हुए उनका मानदेय बढ़ाकर 11000 रुपए करने का एलान किया है। वहीं चौकीदारों का वर्दी भत्ता भी बढ़ाकर 4000 रुपए किया गया है। चौकीदारों को सेवानिवृति पर एकमुश्त 2 लाख रुपये मिलेंगे।

इसके अलावा चौकीदारों को हर 5 साल बाद साईकिल और लाठी व बैटरी के लिए 1000 रुपए सालाना मिलेंगे। राज्य भर से आए ग्रामीण चौकीदारों के प्रतिनिधियों ने बुधवार को मुख्यमंत्री से मुलाक़ात की और उन्हें अपनी समस्याओं से अवगत करवाया।

लोक कलाकार सूचीबद्धता के लिए 20 सितंबर तक कर सकते हैं आवेदन

ड्रामा यूनिट, सांस्कृतिक मंडली, लोक कलाकार मंडली व एकल कलाकार के रूप में कर सकते है आवेदन, लोक कलाकारों को 3 वर्ष के लिए किया जाएगा सूचीबद्ध

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के अतिरिक्त निदेशक डा. कुलदीप सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार ने राज्य में लोक कलाकार यूनिटों तथा कलाकारों को तीन वर्ष के लिए सूचीबद्ध आधार पर रखने हेतु आवेदन आमंत्रित किए हैं। इसके लिए इच्छुक कलाकार निर्धारित प्रोफार्मा भरकर 20 सितंबर 2023 तक अपने आवेदन जमा करवा सकते है।

अतिरिक्त निदेशक डा. कुलदीप सैनी ने जानकारी देते हुए कहा कि विभाग द्वारा लोक कलाकार यूनिटों तथा कलाकारों को सूचीबद्ध किया जाता है जो कलाकार या पार्टी अपने कार्य में दक्ष है, ऐसे कलाकार या पार्टी निर्धारित तिथि तक आवेदन कर सकते हैं। सूचीबद्ध पार्टियों को सरकार की ओर से प्रचार-प्रसार के लिए राज्य एवं जिले से बाहर भी भेजा जा सकता है। सूचीबद्ध किए गए कलाकारों को सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों व कार्यक्रमों का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार कर जन-जन पहुंचाना है। एक यूनिट पार्टी को महीने में लगभग 20 प्रचार कार्यक्रम दिए जाएंगे। लेकिन एकल कलाकार को इससे अधिक कार्यक्रम दिए जा सकते हैं। यूनिट कलाकार केवल सूची में शामिल होने से

पारिश्रमिक के हकदार नहीं होंगे बल्कि काम के बदले उन्हें भुगतान किया जाएगा। अनुबंध पर रखी गई पार्टियों को कम से कम अढ़ाई घंटे का कार्यक्रम देना होगा। विशेष प्रचार अभियान के दौरान एक दिन में तीन कार्यक्रम भी दिए जा सकते है।

उन्होंने कहा कि आवेदन के समय आवेदनकर्ता को अपने रिहायशी प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति तथा अपनी पासपोर्ट साईज फोटो अवश्य देनी होगी। रिहायशी प्रमाण पत्र के लिए राशन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, सरपंच, नगर पालिका या सरकारी अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र भी मान्य होगा। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए विभाग की वेबसाइट पीआरहरियाणा.जीओवी.इन या फिर संबंधित जिला सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी कार्यालय से भी सम्पर्क कर सकते है।

सितंबर महीना हर व्यक्ति के लिए खास हो चुके कई बदलाव

गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र । सितंबर महीने में कई वित्तीय नियमों में बदलाव वाला है। आरबीआई की घोषणा के अनुसार सितंबर महीने की 30 तारीख तक ही दो हजार के नोट बदले जा सकते हैं। ऐसा नहीं करने वालों को आगे परेशानी हो सकती है। आधार-पैन और डीमैट खाते से जुड़े कई नियम भी बदल जाएंगे।

अगस्त का महीना समाप्त होते ही सितंबर महीने में कई महत्वपूर्ण वित्तीय नियमों में बदलाव होने जा रहे हैं। ऐसे में उनकी जानकारी सभी के लिए जरूरी है। सितंबर का महीना बीतते-बीतते कई जरूरी काम निपटाने जरूरी हैं नहीं तो परेशान बढ़ सकती है। उनमें सबसे जरूरी काम है 30 सितंबर तक 2000 रुपये के बचे नोटों को बदलने का। आरबीआई की घोषणा के अनुसार सितंबर महीने की 30 तारीख तक ही दो हजार के नोट बदले जा सकते हैं। ऐसा नहीं करने वालों को आगे परेशानी हो सकती है। आइए जानते हैं सितंबर महीने में होने वाले महत्वपूर्ण बदलावों के बारे में। सबसे पहले शुरुआत सिलेंडर की घटी कीमतों से।

एलपीजी सिलेंडर पर 200 रुपये की सब्सिडी

केंद्रीय कैबिनेट ने एलपीजी सिलेंडर पर 200 रुपये की सब्सिडी देने का एलान किया है। उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को पहले से मिल रही 200 रुपये की सब्सिडी के अलावे यह लाभ अलग से मिलेगा। ऐसे में इस स्कीम के लाभार्थियों को 400 रुपये प्रति सिलेंडर का लाभ होगा। सरकार ने इस महत्वपूर्ण फैसले का एलान अगस्त में ही कर दिया है। ऐसे में सितंबर में जब आप सिलेंडर की बुकिंग करेंगे तो प्रति सिलेंडर आपको 200 रुपये कम चुकाना पड़ेगा।

दो हजार के नोट बदल लें 30 सितंबर तक

2,000 रुपये के नोटों को बदलने की डेडलाइन 30 सितंबर, 2023 को समाप्त हो जाएगी। ऐसे में आप बैंक की छुट्टियों की लिस्ट को चेक करके जल्द से जल्द अपने पर नकद रूप में पड़े 2000 रुपये के नोट नजदीकी बैंक शाखा पर जाकर बदल लें। ऐसा नहीं करने पर 30 सितंबर के बाद आपको परेशानी हो सकती है या फिर सीधे कहें तो नुकसान उठाना पड़ा सकता है।

14 सितंबर तक मुफ्त में आधार अपडेट करने का आखरी मौका

अगर आप अपना आधार मुफ्त में अपडेट करना चाहते हैं तो आपको यह काम हर हाल में 14 सितंबर 2023 तक निपटा लेना चाहिए। यूआईडीएआई ने 14 सितंबर तक मुफ्त में आधार अपडेट करने की डेडलाइन तय की है। पहले यह सुविधा को 14 जून तक ही दी गई थी उसके बाद इसे 14 सितंबर कर दिया गया। आप उक्त तारीख तक आप अपने आधार से जुड़े विवरण बिना किसी शुल्क के अपडेट करवा सकते हैं।

डीमैट खाते में नॉमिनेशन की प्रक्रिया को पूरा करे

अगर आपने डीमैट खाते में नॉमिनेशन की प्रक्रिया को पूरा नहीं किया है तो यह काम भी आपको 30 सितंबर 2023 से पहले पूरा कर लेना चाहिए। बिना नॉमिनेशन वाले खाते को उक्त तिथि के बाद सेबी की ओर से निष्क्रिय किया जा सकता है।

अगर आपके पास एक्सिस बैंक का मैग्नस क्रेडिट कार्ड है तो सितंबर महीने से इसके नियम और शर्तों में बड़े बदलाव हो सकते हैं। बैंक की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक कुछ लेन-देन पर पर ग्राहकों को सितंबर महीने से विशेष छूट का लाभ नहीं मिल सकेगा। इसके साथ ही 1 सितंबर से नई कार्डधारकों को सालाना फीस के रूप में 12,500 रुपये जीएसटी के साथ चुकाना होगा। वहीं, पुराने ग्राहकों को 10,000 रुपये और जीएसटी का भुगतान करना पड़ेगा। जिन ग्राहकों ने पूरे साल के दौरान 25 लाख रुपये तक की खरीदारी की है उनका शुल्क माफ कर दिया जाएगा।

एसबीआई की विशेष वीकेयर स्कीम में निवेश करने का मौका 30 सितम्बर

अगर आप एसबीआई की वीकेयर स्कीम में निवेश करना चाहते हैं तो ऐसा आप सितंबर महीने तक ही कर सकते हैं। इस खास स्कीम में निवेश की डेडलाइन 30 सितंबर, 2023 को समाप्त हो रही है। बता दें कि एसबीआई की इस योजना का लाभ केवल वरिष्ठ नागरिक ही उठा सकते हैं। इस योजना के तहत सीनियर सीटिजन्स सिटीजंस को आम लोगों की तुलना में पांच साल और उससे अधिक की अवधि के लिए 7.50 प्रतिशत तक का ब्याज मिलता है। पैन और आधार कार्ड लिंक करने के मामले में भी बड़ा अपडेट सामने आया है। अगर कोई नागरिक इस महीने के आखिर तक पैन-आधार को लिंक नहीं करता है तो सितंबर महीने के बाद यानी एक अक्टूबर 2023 को उसका पैन कार्ड निष्क्रय हो जाएगा। अगर आपका पैन आधार से लिंक नहीं है तो इसका असर आपके डीमैट अकाउंट पर भी पड़ेगा। ऐसे में यह जरूरी है कि आप यह पेंडिंग काम जल्दी से जल्दी निपटा लें।

विदेश भेजने के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी मामले में शामिल दूसरा आरोपी गिरफ्तार

जांच के लिये आरोपी को 4 दिन के पुलिस रिमाण्ड पर लिया

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, अपराध अन्वेषण शाखा-2 की टीम ने विदेश भेजने के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधडी मामले में शामिल होने के आरोप में राजकुमार पुत्र निरंजन दास वासी जनता कालोनी, जोधाबाला बस्ती लुधियाणा पंजाब को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि लखविन्द्र सिंह पुत्र बलदेव सिंह वासी उरलाना जिला कैथल ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि उसका पुत्र हर्षप्रीत सिंह विदेश अमेरिका जाने बारे जरनैल सिंह वासी मुस्तापुर तहसील पेहवा जिला कुरुक्षेत्र से मिला, जिसने कहा कि वह विदेश अमेरिका 30 लाख रुपये में भेज देगा । जरनैल सिंह ने उससे 40 हजार रुपये अपने पास गूगल पे करवाये और तीन लाख रुपये मांगे जो कि उसने जरनैल सिंह के कहने पर उसके खाते में ट्रांसफर करवा दिये । उसके बाद जरनैल सिंह ने उसका पासपोर्ट मंगवाया और पासपोर्ट देखने के बाद उसको अपने साथ लेकर दिल्ली चला गया। उसने फिर से 7 लाख रुपये मांग की जो कि उसने चीका में जरनैल सिंह 7 लाख रुपये कैश दिए। जरनैल सिंह उसके बेटे को दिल्ली से दुबई ले गया। वहां जाने के बाद उसने 5 लाख 90 हजार रुपये मांगे। जो कि 2 लाख खाता से ट्रांसफर किये और 3 लाख 90 हजार रुपये उसे चीका से कैश दिए । जरनैल सिंह ने दुबई से आगे ले जाने के लिये 4 लाख 70 हजार रुपये की और मांग की। जो कि उसे चीका में नगद दिये। दुबई से बेलारुस जाने के बाद उसने 6 लाख रुपये और मांग की, जो कि चीका में नगद दिए। उसने लडके हर्षप्रीत सिंह से 2-3 महीने तक कोई बात नहीं करवाई और न ही यह बताया कि उसका लड़का कहां है। जिसने उसके लड़के हर्षप्रीत सिंह को विदेश अमेरिका भेजने के नाम पर लगभग 20 लाख रुपये लेकर उसके साथ धोखाधडी की है। जिसकी शिकायत पर मामला दर्ज करके जांच सहायक उप निरीक्षक गुरदेव सिंह को सौंपी गई। उसके बाद मामले की जांच अपराध अन्वेषण शाखा-2 द्वारा की गई। जांच के दौरान अपराध अन्वेषण शाखा-2 के उप निरीक्षक सुरेन्द्र सिंह की टीम ने दिनांक 27 अगस्त 2023 को मामले में आरोपी जरनैल सिंह पुत्र बक्शी राम वासी बाल्मिकी बस्ती पेहवा को गिरफ्तार करके माननीय अदालत में पेश किया गया व अदालत से आरोपी का 5 दिन का पुलिस रिमाण्ड पर लिया गया । दिनांक 29 अगस्त 2023 को अपराध अन्वेषण शाखा-2 के उप निरीक्षक सुरेन्द्र सिंह की टीम ने मामले में आरोपी राजकुमार पुत्र निरंजन दास वासी जनता कालोनी लुधियाणा पंजाब को लुधियाणा से गिरफ्तार कर लिया । आरोपी को माननीय अदालत में पेश किया गया व अदालत से आरोपी का 4 दिन का पुलिस रिमाण्ड पर लिया गया । मामले की जांच जारी है।

हरियाणा में न्यायाधीशों के 772 पद स्वीकृत

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

चंडीगढ़, हरियाणा में सत्र न्यायालय (हायर ज्यूडिशरी) 246 तथा निचली अदालतों में सिविल न्यायाधीश (जूनियर डिवीजन) के 526 पद स्वीकृत हैं। हरियाणा सिविल सेवा (न्यायिक शाखा) 129 अधिकारियों की भर्ती का मामला सर्वोच्च न्यायालय के कारण लंबित है।

यह जानकारी प्रश्नकाल के दौरान विधायक श्री राकेश दौलताबाद के द्वारा सदन के नेता व मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल से पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री की ओर से उपमुख्यमंत्री श्री दुष्यंत चौटाला द्वारा सदन में दी गई।

उन्होंने सदन को इस बात की जानकारी दी कि हरियाणा सिविल सेवा (न्यायिक शाखा) 129 अधिकारियों की भर्ती का मामला मलिक मजहर सुलतान बनाम उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग व अन्य दायर याचिका के कारण सर्वोच्च न्यायालय में लंबित है। वर्तमान में हायर ज्यूडिशरी 68 अधिकारियों की आवश्यकता है जिसमें से 39 पद पदोन्नति द्वारा भरे जा रहे हैं। पदोन्नति से भर्ती पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय की कमेटी की सिफारिश पर की जाएगी।

केयू के संस्कृत-पालि-प्राकृत विभाग में साप्ताहिक संस्कृत समारोह सम्पन्न

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के संस्कृत-पालि-प्राकृत विभाग में साप्ताहिक संस्कृत समारोह के समापन अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्कृत विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व अधिष्ठाता महाविद्यालय ने कहा कि देववाणी संस्कृत भाषा में ही भारतीय संस्कृति निहित है। इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में संस्कृत भाषा के प्रति रुचि पैदा करने का कार्य करते हैं। इसके साथ ही उन्होंने संस्कृत के विभिन्न वैज्ञानिक पक्षों पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर विभागाध्यक्ष प्रो. कृष्णा देवी ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा संस्कृत भाषा के महत्व से पता चलता है कि अधिकांश आधुनिक भारतीय भाषाएं सीधे तौर पर संस्कृत से ली गई है। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. विभा अग्रवाल, पूर्व विभागाध्यक्ष संस्कृत विभाग ने जीवन के विभिन्न पक्षों में संस्कृत की उपादेयता के बारे में समझाया। उन्होंने कहा कि संस्कृत ज्ञान-विज्ञान, संस्कृति तथा मानव जीवन के संरक्षण व विकास में अत्यंत सहायक है। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका सेवानिवृत्त डॉ. चित्तरंजन दयाल कौशल, डॉ. विनोद कुमार शर्मा, डॉ. विश्वंभरदास ने निभाई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विजय श्री ने किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. तेलू राम ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विभाग के डॉ. कृष्ण आर्य, दीपक, विभिन्न महाविद्यालयों, गुरुकुलों तथा विद्यापीठों से आए सहायक आचार्य तथा सभी शोधार्थी एवं

विद्यार्थी मौजूद रहे।

सम्भाषण में लव ने मारी बाजी

संस्कृत सप्ताह समारोह के अंतर्गत आयोजित संस्कृत संभाषण एवं संस्कृत श्लोक गायन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें संस्कृत सम्भाषण में प्रथम स्थान पाकर संस्कृत-पालि-प्राकृत विभाग के छात्र लव ने बाजी मारी। वहीं द्वितीय स्थान आर्य कन्या गुरुकुल, मोर माजरा की छात्रा तनु तथा तृतीय स्थान दयाल सिंह कॉलेज, करनाल के छात्र रोहित ने प्राप्त किया। श्लोक गायन में संस्कृत-पालि-प्राकृत विभाग की सिमरन व सुमित ने प्रथम व तृतीय स्थान प्राप्त किया। आर्य कन्या महाविद्यालय शाहबाद की छात्रा महक द्वितीय स्थान पर रही।

केयू में बी फार्मेसी प्रथम सेमेस्टर व बी फार्मेसी लीट (तृतीय) की रिक्त सीटों के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

प्रथम सेमेस्टर के लिए 7 सितंबर व लीट तृतीय सेमेस्टर में दाखिले के लिए अंतिम तिथि 11 सितम्बर

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा के निर्देशानुसार केयू के फार्मेसी संस्थान के बी फार्मेसी प्रथम सेमेस्टर व बी फार्मेसी लीट तृतीय सेमेस्टर में सत्र 2023-24 में रिक्त सीटों पर दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह जानकारी देते हुए लोक सम्पर्क विभाग के उपनिदेशक डॉ. दीपक राय बब्बर ने बताया कि रिक्त सीटों पर दाखिले के इच्छुक आवेदक केयू वेबसाइट/आईयूएमएस एडमिशन पोर्टल पर जाकर संबंधित दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। बी फार्मेसी प्रथम सेमेस्टर के लिए अंतिम तिथि 7 सितंबर तथा लीट तृतीय सेमेस्टर में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन की तिथि 11 सितंबर निर्धारित है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर

उपलब्ध हैं।

अमृतवाणी

संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज जिओ की

जै ओहु अठिसठि तीरथ न्हावै ।। जै ओहु दुआदस सिला पुजावै ।। जै ओहु कूप तटा देखावै ।। करै निंद सब विरथा जावै ।।

व्याख्या : श्री गुरू रविदास महाराज जी पवित्र अमृतवाणी में फरमान करते हुए कहते है कि यदि कोई जीव अठासठ तीर्थों पर स्नान करें , बारह शिलाओं की पूजा भी करें , चाहे वो जीवों की भलाई के लिए कुएं और तालाब बनवाए , यदि वह संतों की निंदा करता है , तो यह सब कुछ किया हुआ निष्फल जाता है ।

धन गुरुदेव जी

साईं बुल्ले शाह काफ़ी –3

आयो सईयो रल दियो नी वधाई
आयो सईयो रल दियो नी वधाई ।
मैं वर पाइआ रांझा माही ।
अज्ज तां रोज मुबारक चढ़आ, रांझा साडे वेहड़े वड़्या ।
हत्थ खूंडी मोढे कम्बल धरिआ, चाकां वाली शकल बणाई, आयो सईयो रल दियो नी वधाई ।
मुक्कट गऊआं दे विच रुल्लदा, जंगल जूहां दे विच रुल्लदा ।
है कोई अल्लाह दे वल्ल भुल्लदा, असल हकीकत खबर ना काई,
आयो सईयो रल दियो नी वधाई ।
बुल्लहे शाह इक सौदा कीता, पीता जहर प्याला पीता,
ना कुझ लाहा टोटा लीता । दर्द दुक्खां दी गठड़ी चाई,
आयो सईयो रल दियो नी वधाई ।
मैं वर पाइआ रांझा माही ।

अंगुलीमाल

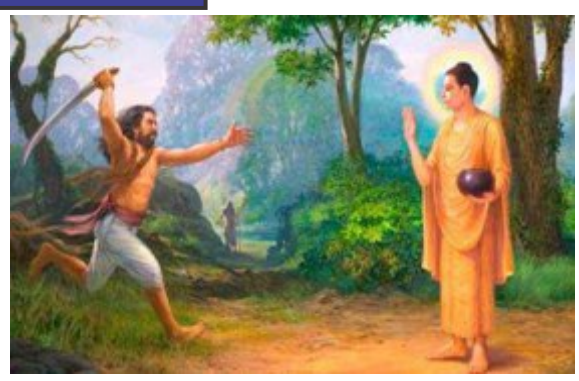

बहुत पुरानी बात है मगध राज्य में एक सोनापुर नाम का गाँव था। उस गाँव के लोग शाम होते ही अपने घरों में आ जाते थे। और सुबह होने से पहले कोई कोई भी घर के बाहर कदम भी नहीं रखता था। इसका कारण डाकू अंगुलीमाल था।

डाकू अंगुलीमाल मगध के जंगलों की गुफा में रहता था। वह लोगों को लूटता था और जान से भी मार देता था। लोगों को डराने के लिए वह जिसे भी मारता उसकी एक ऊँगली काट लेता और उन उँगलियों की माला बनाकर पहनता। इसलिए उसका नाम अंगुलिमाल पड़ा। गाँव के सभी लोग परेशान थे कैसे इस डाकू के आतंक से छुटकारा मिले।

एक दिन गौतम बुद्ध उस गाँव में आये। गाँव के लोग उनकी आवभगत करने लगे। गौतम बुद्ध ने देखा कि गाँव के लोगों में किसी बात को लेकर देहशत फैली है!

तब गौतम बुद्ध ने गाँव वालों से इसका कारण पूछा– ये सुनते ही गाँव' वालों ने अंगुलिमाल के आतंक का पूरा किस्सा उन्हें सुनाया। अगले ही दिन गौतम बुद्ध जंगल की तरफ निकल गये, गाँव वालों ने उन्हें बहुत रोका पर वो नहीं माने। बुद्ध को आते देख अंगुलिमाल हाथों में तलवार लेकर खड़ा हो गया, पर बुद्ध उसकी गुफा के सामने से निकल गए उन्होंने पलटकर भी नहीं देखा।

अंगुलिमाल उनके पीछे दौड़ा, पर दिव्य प्रभाव के कारण वो बुद्ध को पकड़ नहीं पा रहा था। थक हार कर उसने कहा–'रुको' बुद्ध रुक गए और मुस्कुराकर बोले– मैं तो कबका रुक गया पर तुम कब ये हिंसा रोकोगे।

अंगुलिमाल ने कहा– सन्यासी तुम्हें मुझसे डर नहीं लगता। सारा मगध मुझसे डरता है। तुम्हारे पास जो भी माल है निकाल दो वरना, जान से हाथ धो बैठोगे। मैं इस राज्य का सबसे शक्तिशाली व्यक्ति हूँ। बुद्ध जरा भी नहीं घबराये और बोले– मैं ये कैसे मान लूँ कि तुम ही इस राज्य के सबसे शक्तिशाली इन्सान हो। तुम्हे ये साबित करके दिखाना होगा।

अंगुलिमाल बोला बताओ–'कैसे साबित करना होगा?' बुद्ध ने कहा– 'तुम उस पेड़ से दस पत्तियां तोड़ कर लाओ।' अंगुलिमाल ने कहा– बस इतनी सी बात, 'मैं तो पूरा पेड़ उखाड़ सकता हूँ। अंगुलिमाल ने दस पत्तियां तोड़कर ला दीं। बुद्ध ने कहा– 'अब इन पत्तियों को वापस पेड़ पर जाकर लगा दो।'

अंगुलिमाल ने हैरान होकर कहा– 'टूटे हुए पत्ते कहीं वापस लगते हैं। क्या?' तो बुद्ध बोले –'जब तुम इतनी छोटी सी चीज़ को वापस नहीं जोड़ सकते तो तुम सबसे शक्तिशाली कैसे हुए?' यदि तुम किसी चीज़ को जोड़ नहीं सकते तो कम से कम उसे तोड़ो मत, यदि किसी को जीवन नहीं दे सकते तो उसे मृत्यु देने का भी तुम्हे कोई अधिकार नहीं है।

ये सुनकर अंगुलीमाल को अपनी गलती का एहसास हो गया। और वह बुद्ध का शिष्य बन गया। और उसी गाँव में रहकर लोगों की सेवा करने लगा। आगे चलकर यही अंगुलिमाल बहुत बड़ा सन्यासी बना और अहिंसका नाम से प्रसिद्ध हुआ।

विपस्सना

भगवान बुद्ध पहले व्यक्ति हैं जिन्होंने 'आत्मा –परमात्मा' के बिना ध्यान करने की विधि दी– विपस्सना..

मन को एकाग्र और वश में कर दुखों से मुक्ति की विद्या सिखाई।

तथागत ने मनुष्य को उसकी विराट क्षमता का एहसास कराया और उद्घोष किया...

अत्ता ही अत्तनो नाथो को हि नाथो परो सिया अर्थात तुम ही अपने स्वामी हो, कोई और नहीं।

भगवान बुद्ध ने ईश्वर की मान्यता को ध्यान के लिए जरूरी नहीं माना। उन्होंने कहा ध्यान तो स्वास्थ्य है तुम स्वस्थ हो सकते हो। फिर शेष तुम खोज लेना। मैं तो मार्ग बताने वाला हूं, मैं तो डॉक्टर हूं, तुम्हें रोग से मुक्त करने वाला।

बुद्ध एक मनोचिकित्सक है, महान वैज्ञानिक है। वह धर्मगुरु नहीं है, धर्म के संस्थापक नहीं है। क्योंकि धर्म में तो आत्मा परमात्मा की धारणा ही प्रमुख होती हैं। बुद्ध ने किसी धर्म या संप्रदाय की स्थापना नहीं की, न मुखिया बने और न अपने देहांत के समय किसी को उत्तराधिकारी बनाया बल्कि सिर्फ धम्म को सबकुछ बताया।

बुद्ध जैसे व्यवहारिक व्यक्ति और कहीं नहीं मिलेंगे, जिन्होंने मनुष्य के जरुरी, बुनियादी मुद्दों की ही बात की। उन्होंने मनुष्य की असली तकलीफ को पकड़ा और कहा ,यह तकलीफ दूर हो सकती है। इसके लिए उन्होंने चार आर्य सत्यों की घोषणा की। मनुष्य दुखी हैं ,दुख का कारण है। दुख के कारण का निवारण हैं और दुख मिटाने के मार्ग हैं, उपाय हैं।

शाक्य मुनि बुद्ध कहते है यह एक ऐसी ही दशा हैं जहां दुख नहीं रह जाता। दुख निरोध हो जाता है। और जहां दुख नहीं होगा वहां सुख ही होगा, स्वास्थ्य ही होगा। वह तुम स्वयं अनुभव कर लेना, जान लेना, समझ लेना। और जिन्होंने भी अनुभव किया, जान लिया उन्होंने कहा नहीं कि वह अनुभूति कैसी है। क्योंकि यह तो गूंगे का गुड़ है जिसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता।

भवतु सब्ब मंगल..सबका कल्याण हो..
सभी प्राणी सुखी हो

आलेख : डॉ. एम एल परिहार, जयपुर

सभी तरह के विज्ञापन लगवाए उचित दामों में नाम परिवर्तन, बेदखली,नोटिस, खोया पाया, वैवाहिकी,आवश्यकत, बधाई संदेश, कोर्ट नोटिस,बोली सूचना, नीलामी सूचना, बैंक नोटिस, व्यवसायिक गतिविधियां।
संपर्क करें।
जरनैल सिंह रंगा पत्रकार मो.9138203233

रमण की समाधि

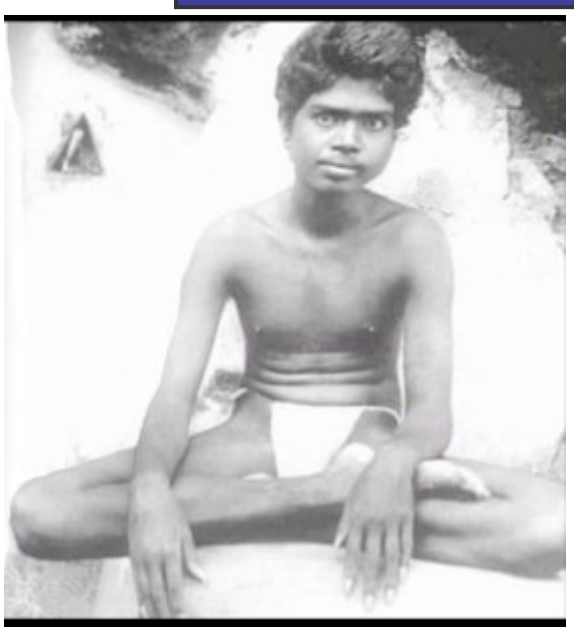

रमण की समाधि समझने जैसी है। ज्यादा उम्र उनकी न थी। ज्यादा होती तो शायद समाधि मिलती भी न। ज्यादा उम्र क्या हो जाती है लोगों की, अनुभव का कचरा खूब इकट्ठा हो जाता है। फिर उस कचरे से छूटना बड़ा मुश्किल होता है। ज्यादा उम्र क्या हो जाती है, लोग ज्ञानी हो जाते हैं बिना ज्ञान के––और बिना ज्ञान के जो ज्ञानी हो गया उसकी हालत अज्ञानी से बहुत बदतर हो जाती है। ज्यादा उम्र क्या हो जाती है लोग, सुन-सुन कर पंडित हो जाते हैं, तोते हो जाते हैं। उपनिषद––वेद दोहराने लगते हैं। और जितने ही वेद-उपनिषद कंठस्थ हो जाते हैं, उतना ही समझ लेना कि परमात्मा से दूरी बढ़ी। अब तुम्हारा वेद नहीं जन्म सकेगा; अब तुम उधार वेद से बंध गए। अब तुम्हारा उपनिषद नहीं जन्मेगा; अब तुमने दूसरों के उपनिषद पकड़ लिए।

सत्रह साल की उम्र थी रमण की। परिवार में किसी की मृत्यु हो गयी। रमण ने मृत्यु को घटते देखा। अभी-अभी था यह आदमी, अभी-अभी नहीं हो गया! न किसी को देखा आते न किसी को देखा जाते। सब वैसा ही का वैसा। नाक, मुंह, आंख, कान सब वैसे, हाथ––पैर सब वैसे। एक क्षण पहले यह था और एक क्षण बाद न रहा। हुआ क्या! कौन चला गया! कहां चला गया! कहां से आया था!

रमण को एक बात सूझी। बच्चों को अकसर बातें सूझ जाती हैं। घर के लोग तो रोने-धोने में लगे थे, वे बगल के कमरे में चले गए और जमीन पर लेट गए, जैसे वह मुर्दा आदमी लेटा था वैसे लेट गए। हाथ—पैर वैसे ही कर लिए ढीले, जैसे मुर्दे ने किए थे। आंखे बंद कर लीं। एक प्रयोग किया मृत्यु का कि मैं देखूं कि मेरे भीतर क्या होता है; अगर मैं ऐसे ही मर जाऊं तो कोई आता––जाता है या नहीं; कोई बचता है कि नहीं भीतर? शरीर को शिथिल छोड़ दिया। सरल भाव का बच्चा रहा होगा––अति सरल भाव का, कि जल्दी ही लगा कि मौत घट रही है। हाथ––पैर सब सूख गए। थोड़ी देर विचार घूमते रहे, फिर विचार भी समाप्त हो गए। थोड़ी देर बाहर की आवाजें और रोना––धोना सुनाई पड़ता रहा, फिर पता नहीं वे भी सब आवाजें कहीं दूर...निकल गईं। कान जैसे बंद हो गए। थोड़ी देर श्वास चलती मालूम पड़ती रही, फिर उससे भी दूरी हो गई। मृत्यु जैसे घटी। और जब घंटे––भर बाद रमण ने आंखें खोलीं तो वे दूसरे ही व्यक्ति थे। चमत्कार हो गया। देख ही लिया उन्होंने भीतर अपने कि जो है, उसकी कोई मृत्यु नहीं। जाकर घर के लोगों को कहा–व्यर्थ रो रहे हो, धो रहे हो। कोई कहीं गया नहीं, कोई कहीं जाता नहीं।

और उसी दिन उन्होंने घर छोड़ दिया, चल पड़े जंगल की तरफ। अब इस संसार में कुछ अर्थ न रहा। सारे अर्थों का अर्थ तो भीतर मिल गया। संपदा तो मिल गई, अब क्या तलाश करनी है? इस संसार में तो हम संपदा की ही तलाश करते रहते हैं। जब मिल गयी संपदा, धनी हो गए, तो अब यहां क्या करना है? चल पड़े। और ऐसा रस लगा, यह मरने की कला में ऐसा रस लगा कि लोग कहते हैं कि जहां रमण बैठ जाते थे, दिनों बैठे रहते थे। आंख बंद कर ली, शरीर को मुर्दा कर लिया और बैठ हैं और पी रहे रस!

दिन बीत जाते। न भोजन की फिक्र है, न प्यास का पता है। लेकिन एक आभा प्रकट होने लगी, एक तेजोमंडल आविर्भूत होने लगा। चारों तरफ एक सुगंध फैलने लगी। लोग सेवा करने लगे। लोग भोजन ले आते, हाथ––पैर दबाते कि लौट आओ, भोजन कर लो। कोई पानी ले आता, कोई स्नान करवा देता; नहीं तो वे बैठे रहते बिना ही स्नान के। मक्खियों के झुंड के झुंड उन पर बैठे रहते और वे मस्त हैं, वे मदहोश हैं। और लोग पूछते–तुम करते क्या हो? तो वे कहते कि मैं कुछ भी नहीं करता हूं। करने की कोई जरूरत ही नहीं। फिर यही उनका जिंदगी––भर संदेश रहा जो भी उनके पास जाता, पूछता–हम क्या करें परमात्मा को पाने को? तो वे कहते: करने की कोई जरूरत नहीं, बस बैठ रहो। खाली बैठे रहो। खाली बैठे, बैठे, बैठे, बैठे एक दिन ऐसा सुर बंध जाएगा कि जो भीतर है उसकी प्रतीति होने लगेगी। बाहर से मन मुड़ जाएगा, भीतर का अनुभव होने लगेगा।

सुंदरदास कह रहे हैं : सुंदर कहत कोऊ कौन विधि जानै ताहि। विधि से तो नहीं होता, बिना विधि के होता है। इसलिए छोटे बच्चे चाहें तो उनको भी हो सकता है। स्वस्थ को हो सकता है, बीमार को हो सकता है। बाजार में जो बैठा है उसको हो सकता है, हिमालय पर जो बैठा है उसको हो सकता है। सुंदर को कुरूप को, गरीब को अमीर को, पढ़े––लिखे को गैर पढ़े––लिखे को, सब को हो सकता है। क्योंकि बात सब छोड़कर भीतर थोड़ी देर चुपचाप डुबकी मार लेने की है।

और जब ऐसा हो जाए तो सुंदर कहते हैं कुछ बोलना। नहीं तो लोगों के सिर वैसे ही कचरे से भरे हैं, और कचरे से मत भरना।

इस जगत् में जो सबसे बड़ा पाप चल रहा है, वह है––उनके द्वारा बोला जाना जिन्हें अनुभव नहीं है। वे लोगों के मस्तिष्क कचरे से भरते रहते हैं।

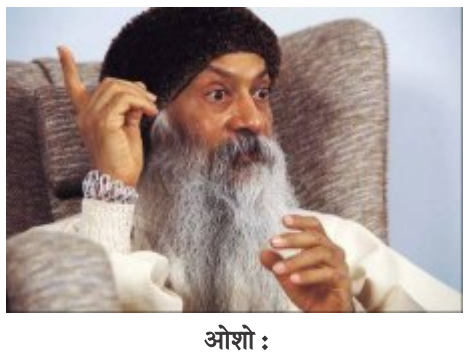

ओशो :
ज्योति से ज्योति जले–(संत सुंदर दास)

स्वार्थ के लिए किया गया कर्म भोग बन जाता है: स्वामी ज्ञाननाथ
संयम से ही जीवन में समन्वय स्थापित होता है : महामंडलेश्वर

गजब हरियाणा न्यूज/राहुल

अम्बाला । निराकारी जागृति मिशन नारायणगढ़ के गद्दीनशीन चेयरमैन और संत सुरक्षा मिशन भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री.श्री. 1008 महामंडलेश्वर एडवोकेट स्वामी ज्ञान नाथ ने रूहानी प्रवचनों में कहा कि संत मार्ग में परमार्थ के लिए किया गया कर्म योग और स्वार्थ के लिए किया गया कर्म भोग बन जाता है फिर यही भोग ही रोग का भयंकर रुप धारण कर लेता है। संयम और साधना से मिथ्या दर्शन, मिथ्या ज्ञान, मिथ्या तर्क-वितर्क स्वतः ही समाप्त हो जाता है। संयम से ही जीवन में समन्वय स्थापित होता है। जीवन में नित्य संयम की साधना और अभ्यास करके जिज्ञासु के जीवन में समता समानता आती है। और मन की विचित्र, विकट और प्रबल त्रिगुणात्मक माया से सहज में छुटकारा पाया जा सकता है। मन को शांत करने के लिए मौन बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बोलने से ज्यादा सुनने में विश्वास रखना और चुपचाप मौन रहना भी एक कला है। बुद्धिमान ज्ञानवान महापुरुष पुरुष सुनता ज्यादा है और बोलता कम है। आध्यात्मिक जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए स्वयं पर संयम रखना और मौन रहना बहुत ही जरूरी है। मौन की साधना करने से ही मन की मौत होती है और मन के विचार और विकार शून्य हो जाने से कैवल्य ज्ञान, परम आत्म आनंद एवं मोक्ष मुक्ति की प्राप्ति होती है। जब मन गया तो समझो मन के साथ संसार भी समाप्त हो जाता है और सन्यास शुरू हो जाता है। जब जिज्ञासु मौन की साधना करता है तो मौन में सबसे पहले जुबान चुप होती है फिर धीरे-धीरे मन भी स्थिर, विकारशून्य और विचारशून्य होने लगता है। मन के स्थिर हो जाने पर परम मौन की अवस्था में आंखें, चेहरा और फिर पूरा शरीर भी चुप हो जाता है। मौन की साधना करने से कई प्रकार के शारीरिक दुख, मानसिक तनाव, विषय विकारों और संसार की जड़ वस्तुओं के प्रति आसक्ति और आकर्षण भी समाप्त हो जाता है। चंचल, चपल और चलायमान मन को वश में करने के लिए एकांतसेवी होना, उपयुक्त स्थान पर बैठकर सुरत शब्द योग का नित्यप्रति अभ्यास करना, चुपचाप रहना और ऊर्जा को अर्जित करना बहुत ही जरुरी है। जीवन में झांककर देखो कि जीवन में कितना आप मौन रहे हैं और कितना बेशकीमती समय निरर्थक बातों और बहस बाजी में गवाया है। मौन की साधना करने से बेकार का डर, चिंता, क्रोध, सांसारिक आसक्ति, मोहपाश, अहंकार और अन्य मानसिक विकारों पर अंकुश लग जाता है। सभी विकार प्रभाव रहित हो जाते हैं। मन का व्यर्थ की उड़ानों, कल्पनाओं का शांत हो जाना ही मौन कहलाता। मौन रहने से मन के आंतरिक और बाहरी आवेगों पर काबू पाया जा सकता है। सभी आत्मवेता, तत्वदर्शी संत महापुरुषों का भी यही मानना है कि जब तक मन है तब तक संसार के तरह-तरह के उपद्रव और जीवन में अनेकों प्रकार के उतार-चढ़ाव आते रहेंगे। काल की विकट और प्रबल माया अनेकों प्रकार के प्रलोभन देकर लुभाएगी, तड़फाएगी, कभी हंसाएगी, कभी रुलाएगी, तरह-तरह की नौटंकी करके दिखाएगी, यह

हमेशा याद रखना होगा कि संसार की चाहे कितनी भी अति प्रिय वस्तु हो हर काल में वह यहीं पर ही छोड़कर चले जाना है। इसलिए अखिल ब्रह्मांड में जमीन और आसमान के बीच में दृष्टि मान जगत को आंखों से देखते हुए भी अनदेखा कर दो, कानो से सबकुछ सुनते हुए भी अनसुना कर दो और ज्यादातर मौन रहो तभी वास्तविकता करते प्रकट होगी। मनुष्य जीवन सार्थक सिद्ध होगा और भगवत प्राप्ति का सपना साकार होगा।

29,30 सितंबर व एक अक्टूबर को कुरुक्षेत्र में होगा कानूनी सेल प्रशिक्षण कार्यक्रम

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, 29-30 सितंबर 2023 और 1 अक्टूबर 2023 के बीच कुरुक्षेत्र हरियाणा में कानूनी सेल प्रशिक्षण कार्यक्रम(केवल अधिवक्ताओं) का आयोजन किया जा रहा है जिसमें मुख्य रूप से सप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह, राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी भोपाल के पूर्व निदेशक एवं नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी बैंगलोर के कुलपति प्रो. मोहन गोपाल, स्कूल ऑफ लॉ इग्नू के पूर्व निदेशक एवं वैकुंठनाथ मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कोऑपरेटिव मैनेजमेंट पुणे महाराष्ट्र के निदेशक के. एलुमलाई, कुलपति प्रोफेसर और निदेशक उर्मिलेश प्रसिद्ध सामाजिक चिंतक एवं पूर्व कार्यकारी निदेशक राज्य सभा टेलीविजन, पूर्व में पंजाब और हरियाणा और जम्मू और कश्मीर उच्च न्यायालय के न्यायाधीश रहे न्यायमूर्ति निर्मल सिंहे, पूर्व न्यायाधीश दिल्ली उच्च न्यायालय और पुलिस शिकायत प्राधिकरण दिल्ली के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश सिंह तेजी, सर्वोच्च न्यायलय के वरिष्ठ अधिवक्ता आनंद ग्रोवर, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय दिल्ली के अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. श्रीनिवासी, सर्वोच्च न्यायलय के वरिष्ठ अधिवक्ता डा. केएस चौहान, उत्तर प्रदेश में पूर्व जिला न्यायाधीश केसी लांबा, जिला न्यायाधीश दिल्ली एवं लोक अदालत दिल्ली के अध्यक्ष टी आर नवल, उत्तर प्रदेश में पूर्व जिला न्यायाधीश एसपी सिंह समेत कई प्रमुख वक्ता शिरकत करेंगे।

बसवा टीम ने एस.सी कमीशन के चेयरमैन को सौंपा ज्ञापन
छात्र का रिज़ल्ट रोकने पर कॉलेज कि होगी मान्यता रद्द : डॉ रविंद्र बलियाला

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कैथल । बहुजन समाज वेल्फेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष रोहताश मेहरा व बहुजन स्टूडेंट वेल्फेयर एसोसिएशन इंडिया प्रदेश प्रभारी अमन कुतुबपुर, प्रदेश अध्यक्ष अमित सिंह बेलरखां शुक्रवार को अनुसूचित जाति आयोग हरियाणा के चेयरमैन डॉ रविन्द्र बलियाला से विश्राम गृह में मुलाकात कर एक मांग पत्र सौंपा, मांग पत्र के माध्यम से मांग की गई कि कैथल पुलिस द्वारा थाना शहर कैथल में सुरेश द्रविड़ के खिलाफ दर्ज की गई एफ.आई.आर नंबर 508 वर्ष 2022 को रद्द किया जाए, कौशल रोजगार योजना में आरक्षण व्यवस्था को लागू किया जाए, सभी प्राइवेट कॉलजों को युनिट मानकर नियुक्तियां निकाली जाए तथा रोस्टर रजिस्टर को मेनटेन करते हुए पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जाति के युवाओं को उनका उचित प्रतिनिधित्व दिया जाए, हरियाणा में खाली पड़ा बैकलाग शीघ्र भरा जाए, पदोन्नति में आरक्षण लागू करके उचित प्रतिनिधित्व में सभी पदों पर भर्तियां कि जाए, अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग के छात्रों को बकाया पिछले वर्षों की छात्रवृत्ति का शीघ्र भूगतान किया जाए तथा इस वर्ष की छात्रवृत्ति भी शीघ्रता से जारी की जाए, सभी सरकारी और गैरसरकारी कालेजों और विश्वविद्यालयों में जीरो फीस पर दाखिले किए जाए, चिराग योजना को तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाए, अनुसूचित जाति वर्ग को दिए गए 100-100 वर्ग गज के प्लांटों पर शीघ्र कब्जा दिलवाया जाए,हर गांव में शिक्षा के स्तर को बढाने के लिए ई लाईब्रेरी चालू की जाए। आयोग के चेयरमैन डॉ रविन्द्र बलियाला ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि सुरेश द्रविड़ के खिलाफ दर्ज एफ.आई.आर जल्द ही रद्द करवा दी जाएगी और अन्य मांगों के संबंध में हरियाणा सरकार के संबंधित विभागों से बातचीत करके शीघ्र ही समाधान किया जाएगा। डी.ए.वी. कॉलेज पुंडरी आर.के.एस.डी कॉलेज कैथल के छात्र-छात्राओं की समस्याओं को सुनते हुए। हरियाणा सरकार में अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन डॉ रविन्द्र बलियाला ने कहा कि हरियाणा में यदि किसी भी छात्र का रिज़ल्ट रोकने की कोशिश की तो उस कॉलेज कि मान्यता रद्द होगी और कॉलेज प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बहुजन स्टूडेंट वेलफेयर एसोसिएशन इंडिया के कार्यकर्ताओं ने आयोग से निवेदन किया की छात्रों का भविष्य देखते हुए इस मामले में जल्द कार्यवाही करवाई जाए। इस मौके पर सुरेश द्रविड़, दलबीर राठी, राजवीर पाई, सुरेश टांक, मनोज बौद्ध, पवन कुमार, मुनिष कश्यप, डी.ए.वी. कॉलेज पुंडरी आर.के.एस.डी कॉलेज कैथल की छात्र-छात्राऐं व बसवा टीम के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हरियाणा रोलर हॉकी फेडरेशन कप में हरियाणा ने हासिल की शानदार जीत

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल। जम्मू एवं कश्मीर में आयोजित रोलर हॉकी फेडरेशन कप में हरियाणा ने शानदार जीत हासिल की है ।24 अगस्त से 27 अगस्त तक आयोजित हुई इस प्रतियोगिता में हरियाणा ने फाइनल में चंडीगढ़ को 5-3 से हराते हुए प्रथम स्थान हासिल किया है। यह जानकारी हरियाणा रोलर स्केटिंग टीम के कप्तान एवं पंचायत विभाग में बीडीपीओ गुरमुल्क सिंह ने दी। उन्होंने टीम की जीत का श्रेय हरियाणा रोलर स्केटिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ अमित अग्रवाल को देते हुए कहा कि यह सब शीर्ष मार्गदर्शन व टीम के सभी सदस्यों की मेहनत के कारण संभव हो पाया है। डॉ अमित अग्रवाल ने भी टीम को जीत के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की है।

हरियाणा रोलर स्केटिंग एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी जितेंद्र ढींगरा ने भी इस जीत पर टीम को बधाई देते हुए कहा है कि यह हरियाणा वासियों के लिए गर्व की बात है। प्रतियोगिता के परिणाम बारे विस्तृत जानकारी देते हुए कप्तान ने बताया कि हरियाणा ने प्रथम (गोल्ड), चंडीगढ़ ने दूसरा स्थान हासिल कर सिल्वर तथा जम्मू एवं कश्मीर ने तीसरा स्थान प्राप्त करते हुए ब्रॉन्ज मैडल हासिल किया है। उन्होंने बताया कि सेमी फाइनल में हरियाणा ने जम्मू कश्मीर को 5-2 के अंतर से हरा कर फाइनल में प्रवेश किया था, जहां हरियाणा की भिड़ंत चंडीगढ़ से हुई और हरियाणा ने इस प्रतियोगिता में शानदार जीत हासिल की। इस प्रतियोगिता में देश की टॉप 8 टीमों ने भाग लिया था। हरियाणा की टीम में जसपाल सिंह,आकाश सहगल,शुभम नारंग, साहिल गर्ग, अर्जुन बख्शी, बलदीप सिंह, विक्रांत सिंह, आषुतोष शर्मा तथा हरप्रीत सिंह शामिल थे। कोच संदीप पंवार ने टीम की इस जीत पर खिलाडियों का उत्साह वर्धन किया।

डॉ.फुलिया ने किया डेरा बाबा लाल दास कपाल मोचन में सातवें ऑनलाइन क्लास रूम का शुभारंभ

गजब हरियाणा न्यूज

यमुनानगर, रविवार को पुर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव हरियाणा एवं सेवानिवृत आईएएस डॉ.राजरूप फुलिया डेरा बाबा लालदास(गुरु रविदास आश्रम) कपालमोचन पहुंचे। सभा के प्रधान अमरनाथ ग्यासडा सहित सभी पदाधिकारियों ने फूलमालाएं पहनाकर उनका स्वागत किया। डॉ फुलिया ने छात्रावास और लाइब्रेरी का अवलोकन किया और ऑनलाइन क्लास रूम के लिए एलईडी टीवी भेंट किया। उनके द्वारा शुरू की गई यह सातवीं ऑनलाइन क्लास है।

इस मौके पर श्री 108 संत निर्मल दास , सभा के प्रधान अमरनाथ ग्यासडा सहित बच्चे व आसपास के गावों से आए श्रद्धालु मौजूद रहे।

जरुरी सूचना

गजब हरियाणा समाचार पत्र, अपना हरियाणा - अपना अखबार, 5 वर्षों से आपकी सेवा में।
गजब हरियाणा के सभी समाचार पत्र और अन्य खबरें पढ़े निशुल्क -
हमारी वेबसाइट : www.gajabharyana.com पर
गजब हरियाणा का सामाजिक यूट्यूब चैनल और फेसबुक पेज पर देखे - gajab haryana news
धार्मिक यूट्यूब चैनल और फेसबुक पेज - Gh World Tv
खबरें व धार्मिक कार्यक्रम की कवरेज करवाने के लिए संपर्क करें: 9138203233
gajabharyananews@gmail.com

GH WORLD TV

गजब HARYANA NEWS
सच्ची व सटीक खबर-आप तक

बच्चों को कानूनी सहायता और सुरक्षा के प्रति आमजन को किया जा रहा है जागरुक

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम नितिन राज ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश आराधना साहनी के दिशा-निर्देशानुसार डीएलएसए द्वारा नालसा स्कीम 2015 (बच्चों को कानूनी सहायता और सुरक्षा के लिए) 1 अगस्त से 31 अगस्त तक कैंपेन का आयोजन किया जा रहा है। इस कैंपेन में पीएलवी तनुज कुमार की ड्यूटी लगाई गई है।

पीएलवी तनुज कुमार द्वारा गांव टाटकी में यह कैंपेन चलाया गया और लोगों को पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया। सीजेएम नितिन राज ने बताया इन कैंपों का उद्देश्य है लोगों को इन स्कीमों के बारे में जानकारी देकर जागरूक करना है।

बसवा टीम के पदाधिकारियों ने किया छातर और ड्योला पुस्तकालयों का दौरा
चिराग योजना शिक्षा खत्म करने का षड्यंत्र : गुरुदेव

गजब हरियाणा न्यूज

जींद, बहुजन स्टूडेंट वेलफेयर एसोसिएशन इंडिया की टीम ने डॉ भीमराव अम्बेडकर पुस्तकालय छातर और ड्योला (जींद) का दौरा किया जिसमें बसवा टीम इंडिया के प्रदेश प्रभारी समाजसेवी गुरुदेव अम्बेडकर बडसीकरी व प्रदेश अध्यक्ष अमित बेलरखा पहुंचे। उन्होंने संचालकों से पुस्तकालय के बारे में विस्तार से चर्चा की। गुरुदेव अम्बेडकर बडसीकरी ने शिक्षा का महत्व को बताते हुए कहा की किस प्रकार सरकार चिराग् योजना लागू करके सरकारी स्कूलों को बंद कर शिक्षा को खत्म करने का षड्यंत्र रच रही हैं। उन्होंने कहा कि बसवा का 'शिक्षा प्रथम उद्देश्य है'। दोनो पुस्तकालयों के संचालकों ने बसवा टीम इंडिया की भूरी भूरी प्रसंशा करते हुए कहा की टीम शिक्षा पर बहुत ही सराहनीय कार्य कर रही है जिससे छात्रों को एक नई दिशा मिल रही है। टीम की तरफ से छातर पुस्तकालय में 1500 रू और डयोला पुस्तकालय को 1000 रुपए का आर्थिक सहयोग किया और आगे भी सहयोग करने का आश्वासन दिया गया। डॉ भीमराव अम्बेडकर पुस्तकालय छातर के संचालकों में सुशील कुमार, अमनदीप मंदीप, राहुल, विशाल, रिनू आजाद ,बिन्द्र, रविन्द्र, अजय ,गौरव ,सिन्द्र व डयोला से भारी संख्या में पुस्तकालय पदाधिकारी और बच्चे मौजूद रहे।

जगाधरी में स्कूल शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने 2 करोड़ 48 लाख के विकास कार्यों का किया उद्घाटन व शिलान्यास

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर । प्रदेश सरकार द्वारा जगाधरी में करोड़ों रुपये के विकास कार्य करवाये जा चुके है और जो विकास कार्य शेष रह गए है। उन पर भी तेज गति से काम किया जा रहा है ताकि सभी विकास कार्य जल्द से जल्द पूरे हो सके । स्कूल शिक्षा मंत्री कंवरपाल की अध्यक्षता में रोजाना नए विकास कार्यों का शिलान्यास किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज जगाधरी में स्कूल शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने 2 करोड़ 48 लाख की लागत के तीन विकास कार्यो का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

स्कूल शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने मटका चौंक से लेकर सुंदर पूरी वाले कि दुकान तक सीसी सडक् व नाले के नव निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। इस विकास कार्य पर 50 लाख की लॉगत आई है। आसपास के दुकानदारों और कॉलोनी वासियों ने इस विकास कार्य के लिए स्कूल शिक्षा मंत्री कंवरपाल का आभार जताया। इस सडक् और नाले के नव निर्माण से यहां कई सालों की बरसात के समय पानी खड़ा होने की समस्या दूर हुई है। इसके उपरांत उन्होंने 1 करोड़ 91 लाख की लॉगत से होने वाले विकास कार्य का शिलान्यास किया। रक्षक विहार से अग्रसेन चौंक तक इस विकास कार्य के तहत सडक् के दोनो साइड टाइल्स लगाकर उसे पक्का किया जाएगा। उन्होंने 7 लाख की लागत से बनने नरेश हलवाई वाली गली का भी उद्घाटन किया।

स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा कि जगाधरी क्षेत्र में जहां-जहां विकास कार्य शुरू करवाए गए है, वहां की जनता इन कार्यो को करवाने में सहयोग करें। जितने भी विकास कार्य हो रहे है उनमें गुणवत्ता से कोई खिलवाड़ न हो इसके लिए सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गए है विकास कार्यों में कहीं भी गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने लोगो को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व प्रदेश में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में सरकार बेहतर काम कर रही है। देश व प्रदेश में सडक़ों के जाल बिछाए जा रहे है। उसी तरह विधानसभा क्षेत्र और निगम के हर वार्ड में करोड़ों के विकास कार्य पूरे हो चुके है और करोड़ो के विकास कार्य किए जा रहे है। हर व्यक्ति की राह सुगम बनाई जा रही है। सरकार बिना भेदभाव के समान रूप से विकास कार्य करवा रही है। हर वार्ड में गलियों, सड़कों व नालियों का निर्माण किया जा रहा है। स्कूल शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने नगर निगम के मेयर मदन चौहान का भी आभार जताया कि नगर निगम तेजी से शहर में विकास कार्य करवा रहा है।

जगाधरी की बदल जाएगी तस्वीर

मेयर मदन चौहान ने कहा कि आज 2 करोड़ 48 लाख के कार्यो का उद्घाटन और शिलान्यास हुआ है। अभी हाउस की मीटिंग में जगाधरी के 7 वार्डो के 22 करोड़ 93 लाख के विकास कार्य पास किये है। स्कूल शिक्षा मंत्री और प्रदेश सरकार का आभार जताते हुए कहा कि सरकार विकास कार्यो के लिए ग्रांट दे रही है और हम लगातार काम कर रहे है। उन्होंने कहा कि स्कूल शिक्षा मंत्री धरातल की सोच रखते है और जमीनी स्तर पर क्या चल रहा है उसकी चिंता रखते है और समय-समय पर जनता के बीच जाकर चर्चा करते है। उन्होंने बताया कि भाजपा जिला कार्यालय के पास 46 करोड़ की लॉगत से ओपन एयर थेटर बनने जा रहा है जिसमे एक हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी जिसकी टेंडर प्रक्रिया चल रही है।

इस मौके पर नगर निगम के मेयर मदन चौहान,भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा, जगाधरी मंडल अध्यक्ष विपुल गर्ग,महामंत्री प्रियांक शर्मा, जिला महामंत्री कृष्ण सिंगला,वार्ड नंबर 6 की पार्षद प्रीति शालू जौहर,जितेंद्र शर्मा, दीपक शर्मा,कपिल मित्तल,भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष निश्चल चौधरी, शक्ति केंद्र प्रमुख,पी डी स्वामी ,सीमा गुलाटी महामंत्री, मनोनीत पार्षद जगदीश विद्यार्थी , जगाधरी आई टी सेल प्रमुख पीयूष गोगियांन,नरेश हलवाई ,श्री राम यादव, राजकुमार ,भाटिया हार्डवेयर ,अमित सैनी, पवन विग,श्री राम परश्री,राजकुमार,सिद्धार्थ बजाज सहित अन्य लोग उपस्थित रहे

अनुसूचित जाति कर्मचारियों ने पदोन्नति में आरक्षण का गजट नोटिफिकेशन व बैकलॉग की मांग को लेकर करनाल में भरी हुंकार
हजरस की मांगे दो महीने में पूरी करे प्रदेश सरकार: डॉ. दिनेश निम्बडिया

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । हरियाणा अनुसूचित जाति राजकीय अध्यापक संघ द्वारा करनाल मे शिक्षा बचाओ रोजगार बचाओ प्रतिनिधित्व पाओ रैली की ऐतिहासिक सफलता से उत्साहित राज्य प्रधान डॉ. दिनेश निम्बडिया और राज्य कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश सरोहा ने किया ऐलान कि अगर हरियाणा सरकार प्रमोशन मे आरक्षण का गजट नोटिफिकेशन दो महीने तक जारी नही करती तो दिल्ली मे जतरं मतरं पर सभी कर्मचारी व सामाजिक संगठनो को साथ लेकर जोरदार आन्दोलन करेंगे।

उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री ने 12 जून को संत कबीर जयंती के अवसर पर रोहतक व 3 फरवरी को सन्त रविदास जयंती के अवसर पर नरवाना मे दो दो बार की गई पदोन्नति में आरक्षण की घोषणा को पूरा न होने के चलते हजरस ने राज्य स्तरीय करनाल मे रैली का आयोजन किया है। उन्होंने कहा कि जब से हरियाणा बना है क्लास वन व क्लास टू की पदोन्नति में आरक्षण लागू नहीं हुआ जिसके चलते सभी विभागों में प्रथम व द्वितीय श्रेणी के पदों पर अनुसूचित जाति का प्रतिनिधित्व न के बराबर है। हरियाणा सरकार की मंशा अनुसूचित जाति वर्ग को उनका संवैधानिक प्रतिनिधित्व प्रदान करने की नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार की नीयत साफ है तो वह चतुर्थ श्रैणी से प्रथम श्रैणी तक परिणामी वरिष्ठता के साथ पदोन्नति मे आरक्षण की अधिसूचना जारी करें न कि मिडिया के माध्यम से बहकाने का काम करे।

राज्य महासचिव चन्द्रमोहन और जिला प्रधान राज पाल बामणिया ने सयुंक्त ब्यान मे कहा की हजरस ने पिछले दो सालों में 200 ज्ञापन खंड स्तर, जिला स्तर,उपायुक्तों के माध्यम से एवं जनप्रतिनिधियों के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपने का काम किया है। लेकिन हमारी मांगों का कोई समाधान नहीं हुआ। अनुसूचित जाति वर्ग का 45 हजार का बैकलॉग खाली पड़ा है जिसे विशेष भर्ती अभियान चलाकर शीघ्र भरा जाए, ताकि बेरोजगार युवाओं को रोजगार मिल सके।

राज्य उपप्रधान दलबीर राठी व संरक्षक नरेश कुमार ने कहा के संघ लगातार सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की प्रोत्साहन राशि व छात्रवृत्ति आदि को लेकर विभागीय अधिकारियों से मिल चुका है लेकिन साल 2016 से बच्चों की छात्रवृत्ति समय पर नहीं पहुंच रही है। बच्चे विद्यालय और बैंकों में चक्कर काट रहे हैं लेकिन उन्हें उनकी छात्रवृत्ति प्रदान नहीं की जा रही है।

पूर्व राज्य प्रधान प्रेम बकोलिया व उप प्रधान सतपाल सिंह ने कहा कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत होने वाली भर्तियों में कोई आरक्षण प्रदान नहीं किया जाता है इसलिए कौशल रोजगार निगम को बंद कर नियमित भर्ती की जाए।

इस अवसर पर जिला सचिव रमेश थाना, संगठन सचिव नरेंद्र कुमार, प्रचार सचिव नरेश फुले ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाल की जाए व सभी प्राथमिक विद्यालय मे मुख्य शिक्षक का पद बहाल किया जाए। इस अवसर पर राज्य उपप्रधान खजान सिंह बडबड, राजेश पेटवाड, होशियार सिंह, बलजीत जास्ट,राजेन्द्र टडंन, सुरज भान नरवाल, राज कुमार तुषार, सुधीर ढांडा, नरेंद्र कलसाना, राम करण गुजराल, राम पाल सरोहा, रामेश्वर सिह,रमेश रंगा, विनोद सरोहा,अशोक सुनहेडी,सुनील चमारा, सत्यपाल भोला, अमर सिंह, रणजीत सिंह, जय कुमार, प्रवीण कुमार, अनिल कुमार, राजेश कुमार, ,राज कुमार,जिले सिह सभरवाल, बिन्दू राम,सन्तोष बाला,ईश्वर सरोहा,चन्द्र, सजींव कुमार, राजबीर, प्रमजीत सिंह, रामकुमार सिंहमार , जे.ई रमन कुमार, सतीशकुमार, मामचन्द, जगदीश सिंह, सजींव अम्बेडकर, राम पाल,शीश पाल, नरेश कुमार ,राजेंद्र सिंह ,राम दिया बहल,आदि सैकड़ो साथी उपस्थित रहे।

आगामी चुनावों के मद्देनजर प्रशासन ने कसी कमर
एसडीएम ने वोट बनाने और वोटों को दुरुस्त करने के लिए बीएलओ और सुपरवाइजरों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल । आगामी चुनाव के मद्देनजर प्रशासन भी अपनी तैयारी में जुट गया है और नए वोट बनाने, वोटों को दुरुस्त किए जाने व बुथों के भवनों के हालात जांचने आदि काम प्रशासन कर रहा है। सोमवार को खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय इंद्री में एसडीएम एवं निर्वाचक पंजीयन अधिकारी अशोक कुमार ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अधिक से अधिक पात्रों के नाम मतदाता सूचियों में सम्मिलित करवाने के उद्देश्य से मतदाता सूचियों के विशेष पुनरीक्षण 2023 से सम्बन्धित बीएलओज, सुपरवाईजर तथा चुनावों कार्यों से जुड़े अधिकारियों की बैठक की और आवश्यक दिशानिर्देश जारी किए। एसडीएम ने स्कूलों, महाविद्यालयों व आइटीआई आदि शिक्षण संस्थानों में इसको लेकर एक्टिविटी करवाने के लिए भी बोला। बैठक में सामने आया कि हाऊस सर्वे भी चल रहा है लेकिन पोर्टल बंद होने के कारण ऑफ लाइन सर्वे होने की बात सामने आई है। एसडीएम अशोक ने कहा कि ज्यादातर पात्रों के वोट बनने चाहिए और अभी तक सिर्फ 1356 वोट ही नए बन पाए हैं। वह 10-10 को ग्रुपों में बुलाकर काम की समीक्षा भी करेंगे कि किसने कितने दिन में कैसा काम किया है इसलिए युद्ध स्तर पर सभी पात्रों के वोट बनाए जाएं। अक्सर देखने में आता है कि अनेक लोग शादी से पहले लड़कियों की वोट कम ही बनवाते हैं, आम धारणा है कि शादी के बाद आगे जाकर ससुराल में लडकी की वोट बन जाएगी इसलिए लोगों को जागरुक करें और 18 वर्ष की हो चुकी सभी लड़कियों की वोट बनवाएं।

एसडीएम ने कहा कि आगामी चुनाव को लेकर यह बैठक की गई जिसमें निर्देश दिए गए हैं कि सभी निर्धारित अवधि में अपना काम पूरा करें। इसमें मुख्य फोकस रहेगा कि महिला वोट अधिक से अधिक बनाई जाएं। शिक्षण संस्थानों में सेमिनार भी लगाए जाएंगे। बच्चों को भी स्कूलों में जागरुक किया जा रहा है और बच्चे अपने घरों में जाकर यह बातें बताएं ताकि जिनकी उम्र 18 वर्ष की हो चुकी है, वो सभी अपना वोट बनवा लें। पिछले पंचायती चुनाव की डयूटी का यदि किसी बीएलओज आदि का कोई पैसा पेंडिंग हैं, तो वो बताएं, उनके जब भी आएंगे तो दे दिए जाएंगे। लोग जागरुक हो और दूसरों को भी जागरुक करें।

इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी अंजु सरदाना, खंड महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी मीना रतन, नगर पालिका सचिव मोहन लाल समेत बीएलओज, सुपरवाईजर्स एवं चुनाव प्रक्रिया से जुड़े अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

पूरी जांच-पड़ताल करके ही मतदाता सूची से नाम काटे: एसडीएम

एसडीएम ने बताया कि मतदाता सूचियों को पूर्ण रुप से शुद्ध करने के उद्देश्य से बीएलओज, सुपरवाईजर्स की डियूटीयां लगाई गई हैं जो विशेष अभियान की तिथियों को अपने-अपने मतदान केन्द्रों पर उपस्थित रहेंगे और उनके द्वारा वोटर सूची की पड़ताल की जाएगी तथा यदि किसी व्यक्ति का नाम अथवा फोटोग्राफ मतदाता सूची में गलत है तो उसे शुद्ध करवाया जाएगा। उन्होंने सभी बीएलओज, सुपरवाईजर्स तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने बूथ पर मतदाता सूची से नाम हटाने संबंधी दस्तावेजों की पूरी जांच-पड़ताल करके ही मतदाता सूची से नाम काटे और उस व्यक्ति एवं महिला का पूरा रिकार्ड भी अपने पास रखें। उन्होंने कहा कि यदि किसी बूथ पर प्रोस्टीट्यूट एवं ट्रांसजेंडर है उसकी वोट उसके घर पर ही जाकर बनाए और उसकी पूरी निजता का ख्याल रखें।

एसडीएम ने कहा कि सभी बीएलओज, सुपरवाईजर को यह जानकारी भी अवश्य होनी चाहिए की उसके बूथ पर कितने परिवार है और कितने महिला एवं पुरुष मतदाता है।

वोट बनवाने में अच्छा काम करने वाली आंगनबाड़ी वर्कर होंगी सम्मानित

एसडीएम ने सीडीपीओ मीना रतन को आदेश दिए कि आंगनवाडी वर्कर्स को निर्देश दे कि 18 वर्ष पूरा कर चुकी लड़कियों को वोट बनवाने में पूरा सहयोग करें और जो आंगनवाडी वर्कर्स सबसे अधिक लड़कियों की वोट बनवाने में मदद करेंगी और उन्हें सम्मानित भी किया जाएगा। सभी अपने कार्य में किसी प्रकार की कोताही न बरतें। उन्होंने बैठक में सभी बीएलओज एवं सुपरवाईजर को निर्देश दिए कि वे अपने अपने बूथ का यह भी निरीक्षण करें और बुथ के भवन आदि के हालात संज्ञान में लाएं।

नीट में मिले जीरो नंबर
फिर भी हो गया एमबीबीएस में एडमिशन

दिल्ली, वैसे तो एमबीबीएस करने के लिए नेशनल एंट्रेस एलिजिबिलिटी टेस्ट यानी नीट में पास होना आवश्यक है और उसकी रैंक के आधार पर उम्मीदवारों को एडमिशन किया जाता है।

वैसे तो एमबीबीएस करने के लिए नेशनल एंट्रेस एलिजिबिलिटी टेस्ट यानी नीट में पास होना आवश्यक है और उसकी रैंक के आधार पर उम्मीदवारों को एडमिशन किया जाता है। मगर हकीकत ये है कि लोगों को एक या दो नंबर या फिर जीरो नंबर मिलने पर एडमिशन मिल रहे हैं और वे एमबीबीएस की पढ़ाई भी कर रहे हैं। जी हां हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2017 में बड़ी संख्या में ऐसे छात्रों को भी एमबीबीएस कोर्स में एडमिशन मिल गया है, जिनके ह्वश्वक्क (नीट) में एक या दो या फिर दोनों विषयों में जीरो या सिंगल डिजिट नंबर है।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार प्रवेश परीक्षा नीट में कम से कम 400 छात्रों को फिजिक्स और केमिस्ट्री में सिंगल डिजिट में नंबर मिले और 110 छात्रों को जीरो नंबर। फिर भी इन सभी छात्रों को एमबीबीएस कोर्स में दाखिला मिल गया और वे पढ़ाई भी कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि इन उम्मीदवारों को प्राइवेट कॉलेजों में एडमिशन मिला है।

इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद सवाल खड़े हो रहे हैं कि आखिर इस टेस्ट का क्या महत्व रह गया है। दरअसल अखबार ने उन 1,990 छात्रों के मार्क्स का विश्लेषण किया, जिनका 2017 में ऐडमिशन हुआ और उनके मार्क्स 150 से भी कम है। 530 ऐसे स्टूडेंट्स सामने आए जिनको फीजिक्स, केमिस्ट्री या दोनों में जीरो या सिंगल डिजिट में नंबर मिले। ऐसे बहुत से नौकरियों, मेडिकल संस्थानों और उच्च पदों में हुए भ्रष्टाचार के मामले फाइलों में दफन हैं। कौन गद्दार है,किसका हक किसने खाया सब,कौन काबिल है और कौन निकम्मा अगर ईमानदारी से जांच की जाए तो असलियत सामने आ जाएगी।

सोशल मीडिया के सौजन्य से

ढाई साल से बिल न भरने वाले उपभोक्ता का टेवल कनेक्शन काटने पर ए.एल.एम को भुगतना पड़ा खामियाजा

गजब हरियाणा न्यूज

तरावड़ी, तरावड़ी में आज एक ऐसा मामला उजागर हुआ है की बिजली विभाग के कर्मचारियों को अपनी ड्यूटी को ईमानदारी से निभाने पर बदली का खामियाजा उठाना पड़ा । इसको लेकर बिजली बोर्ड तरावड़ी के एसडीओ को छोड़कर तमाम कर्मचारियों ने बिजली बोर्ड के भवन के सामने गेट मीटिंग की और उच्च अधिकारी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की आपको बताना चाहेंगे की इस मीटिंग की अध्यक्षता सब यूनिट प्रधान सतपाल के द्वारा की गई थी।

मामला इस प्रकार से है बिजली बोर्ड की सब यूनिट प्रधान सतपाल ने बताया की। आज सहायक लाइनमैन सुभाष कुमार तरावड़ी में ऐसे उपभोक्ता का बिजली कनेक्शन काट दिया जो कि पिछले ढाई वर्ष से बिजली का बिल नहीं भर रहा था यहां पर सुभाष कुमार ने अपने कर्तव्य का पालन करते हुए बिल ना भरने वाले उपभोक्ता का टेवल का कनेक्शन काट दिया। बताया जाता है कि इधर सुभाष कुमार कनेक्शन काटकर बिजली विभाग की बिल्डिंग पहुंचे ही थे कि उनको बदली का आर्डर हाथ में थमा दिया। सुभाष कुमार ए.एल.एम की बदली तरावड़ी सब डिवीजन से गढ़ीबीरबल कर दी गई । इसी के साथ उन्होंने अपने कर्मचारियों से बातचीत की जब और कर्मचारी ऐसा देखकर भड़क गए और उन्होंने तुरंत सभी कर्मचारियों को एकत्रित करके गेट मीटिंग की और उच्च अधिकारीयों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

यह बदली कार्यकारी अभियंता नंबर 1 दवारा की गई

सतपाल ने बताया की एच.एस.ई.बी वर्कर यूनियन पूर्ण रूप से इसका विरोध करती है। सतपाल प्रधान ने ये भी बताया की अगर 2 दिन के अंदर यह आदेश वापिस नहीं लिए तो यूनियन आंदोलन का बड़ा रूप लेगी जिसमे होने वाले प्रत्येक नुकसान की जिम्मेदारी उच्च अधिकारी व मैनेजनमेंट की होंगी। आज की इस सफल गेट मीटिंग मे सभी

कर्मचारीयों ने बढ़ चढ़कर रोष प्रदर्शन किया।

इस मीटिंग मे मुख्य रूप से कंद्रीय परिषद मे ए.पी.एस महाबीर ज.ई, सूरजमल ज.ई, कुनाल ज.ई, चन्दरपाल, पृथ्वी सिंह, आसुतोष राणा, अमित, सुखविंदर, विशाल, पुरषोतम शर्मा व मुकेश रूप से सतपाल प्रधान सब यूनिट रविकांत सचिव सब यूनिट तरावड़ी भी मौजूद रहे।

श्रावण मास की समाप्ति के उपलक्ष्य में संगमेश्वर महादेव मंदिर अरुणाय में आयोजित किया गया विशाल भंडारा

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

पिहोवा. श्रावण मास की समाप्ति के उपलक्ष्य में संगमेश्वर महादेव मंदिर अरुणाय में विशाल भंडारा आयोजित किया गया। श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी कनखल हरिद्वार के सचिव एवं अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी व महंत विश्वनाथ गिरी के सानिध्य में आयोजित भंडारे में सैकड़ों साधु महात्माओं ने हिस्सा लिया। महंत रविंद्र पुरी ने कहा कि 19 वर्ष के बाद श्रावण में अधिक मास का योग बना है।

उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन पर इस बार खास संयोग है। रामायण महाभारत काल से ऐसा समय भी आया जब युद्ध के समय पत्नी ने अपने पति के युद्ध में जाने से पूर्व उसे भी रक्षा सूत्र बांधा। सर्वप्रथम माता लक्ष्मी ने राजा बलि को रक्षा सूत्र बांधकर इस पर्व की शुरुआत की थी। महंत विश्वनाथ गिरी ने बताया कि श्रावण मास के दौरान मंदिर में पूरा माह विभिन्न प्रकार की धार्मिक गतिविधियां जारी रही। दो माह के श्रावण में लाखों श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर जलाभिषेक कर भगवान भोलेनाथ के दर्शन किए। महंत विश्वनाथ गिरी ने कहा कि जगतगुरु भगवान सदाशिव दक्षिणा मूर्ति महेश्वर हैं। उनकी पूजा का आयोजन संपूर्ण श्रावण मास चलता है। शिव अर्चन और रुद्राभिषेक करने से धन-धान्य, ऐश्वर्य, मानसिक व शारीरिक रोगों से मुक्ति और विभिन्न मनोकामनाओं की प्राप्ति होती है। उन्होंने बताया कि श्रावण मास में विद्वान ब्राह्मणों द्वारा पार्थिव शिवलिंग पूजन कराया गया। जिन्हें पूजा के बाद तीर्थ में विसर्जित किया गया।

सेवादल प्रबंधक भूषण गौतम ने सदस्यों और श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इनके सहयोग से श्रावण मास शांतिपूर्वक एवं श्रद्धामयी ढंग से संपन्न हुआ। इस अवसर महंत देवगिरी, महंत

अखिलेश भारती, महंत रवींद्र पुरी, महंत महेश गिरी, महंत रविंद्र गिरी, महंत सुभाष पुरी, महंत कृष्ण गिरी, महंत कमल पुरी, महंत धीरज पुरी, महंत भीम पुरी, लेफ्टिनेंट बिक्रमजीत सिंह, जय नारायण शर्मा, पूर्व विधायक दिल्लू राम बाजीगर, राज कश्यप सहित हजारों संत महात्माओं और श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

एस. बी.एस. डी. पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल प्रांगण में रक्षाबंधन का त्यौहार बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

पिहोवा, एस. बी.एस. डी. पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, पिहोवा के विद्यालय प्रांगण में रक्षाबंधन का त्यौहार बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल में राखी प्रतियोगिता की गई और स्कूल के सभी बच्चे बड़ी ही सुंदर-सुंदर राखिया बना कर लाए। इस अवसर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष और स्कूल के चैयरमैन एडवोकेट माननीय श्री योगेश कुमार दत्ता, एमडी मैम श्रीमती सुनीता दत्ता, स्कूल प्रिंसिपल डॉ गौरव सच्चर, श्रीमती पूजा दत्ता एवं श्री विकास दत्ता के द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष एवं स्कूल के चेयरमैन एडवोकेट माननीय श्री योगेश कुमार दत्ता ने कहा कि रक्षाबंधन का त्यौहार भाई और बहन के प्रेम का प्रतीक होता है और इस दिन भाई बहन को

राखी बांधकर रक्षा करने का संकल्प लेता है। इस कार्यक्रम में स्कूल का सारा स्टाफ एवं अन्य कर्मचारी भी मौजूद थे।

ताइक्वांडो में ट्रेनिंग सेंटर सेक्टर और जूडो में डी.एंड डी.ओ.एस. सेक्टर के खिलाड़ियों ने मारी बाजी

गजब हरियाणा न्यूज

पानीपत, रिफाइनरी स्थित सीआईएसएफ कांपलेक्स में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की आयोजित एक दिवसीय अंतर सेक्टर जूडो प्रतियोगिता में डी.एंड डी.ओ.एस. के उमंग कुमार और ताइक्वांडो में ट्रेनिंग सेंटर के रंगास्वामी ने जीत दर्ज कर की । खेलकूद प्रतियोगिता में रिफाइनरी मानव संसाधन विभाग के महाप्रबंधक विवेक नारायण ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।

विवेक नारायण ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए । खेल से जहां खिलाड़ी के अंदर नेतृत्व की भावना पैदा होती है वंही खेल से शरीर स्वस्थ और तंदुरुस्त बनता है । वहीं उन्होंने कहा कि हार और जीत एक ही सिक्के के दो पहलू होते हैं । हमें हार के बाद निराश नही होना चाहिए बल्कि हार के बाद और अधिक मेहनत कर खेलना चाहिए । और आने वाले समय में होने वाली प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन कर जीत दर्ज करनी चाहिए ।

सीआईएसएफ कांपलेक्स में आयोजित अंतर सेक्टर जूडो और ताइक्वांडो प्रतियोगिता में 5 सेक्टरों के खिलाड़ियों ने भाग लिया । जिसमें जूडो प्रतियोगिता में 6 खिलाड़ियों जबकि ताइक्वांडो प्रतियोगिता में 10

खिलाड़ियों ने भाग लिया । जूडो में डी.एंड डी.ओ.एस. के उमंग कुमार ने सैंट्रल सेक्टर के बिजेंद्र सिंह और ताइक्वांडो में ट्रेनिंग सेक्टर के रंगास्वामी ने वेस्टर्न सेक्टर के पवन को हरा कर जीत दर्ज कर अपने अपने सेक्टर का नाम रोशन किया ।

इस अवसर पर उप कमांडेंट विजय कुमार , उप कमांडेंट शांति स्वरूप , सहायक कमांडेंट पुष्पा देवी , बोहली सरपंच प्रतिनिधि रमेश कुमार के अलावा काफी संख्या में जवान उपस्थित रहे ।

अमरीका के विख्यात अप्रवासी भारतीय नरेंद्र जोशी से पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा ने की मुलाकात

भारत में नहीं है रोजगार के साधन तो प्रतिभाशाली डाक्टर, इंजीनियर तथा युवा जा रहे है विदेश : अशोक अरोड़ा

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, करीब तीन दशक पूर्व कुरुक्षेत्र की धरती से जाकर अमरीका के वाशिंगटन डी.सी., वर्जीनिया, मैरीलेंड, बोस्टन सहित विभिन्न राज्यों में सफल व्यवसाय स्थापत करने वाले अप्रवासी भारतीय व्यवसायी नरेंद्र जोशी ने हरियाणा सरकार के पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक अरोड़ा से उनके निवास स्थान पर मुलाकात की। इस मौके पर अरोड़ा तथा जोशी ने प्रतिदिन भारत से विदेश जाने वाले युवाओं के आंकड़ों पर चर्चा की। जोशी ने भी बताया कि उनकी जानकारी के अनुसार बहुत तेजी से भारतीय अमरीका, कनाड़ा, आस्ट्रेलिया, जर्मनी तथा इंग्लैंड इत्यादि देशों में पहुंच रहे हैं। भारत से विदेश गए युवा किसी भी तरह का कार्य करने को तैयार हैं। ऐसा क्या कारण है कि भारत के प्रतिभशाली युवाओं को विदेश जाना ही क्यों पसंद है। पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा ने कहा कि हमारे देश के बच्चों में योग्यता बहुत है। चंद्रयान 3 का चन्द्रमा उतरना भी भारतीय लोगों की प्रतिभा का ही प्रमाण है। इतिहास रचने एवं चंद्रयान 3 की सफलता के लिए इसरो के वैज्ञानिक एवं भारतवासी बधाई के पात्र बने हैं। अशोक अरोड़ा ने कहा कि दुःख का कारण है कि हमारे देश में अब रोजगार के साधन नहीं हैं। बेरोजगारी एवं लोगों को अच्छी सुविधाएं न मिलने की वजह से आज हमारे देश के प्रतिभाशाली डाक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक तथा आई. टी. सैल से जुड़े लोग आज विदेश में जाना पसंद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज तो हालत यह है कि 12 वीं कक्षा के बाद ही बच्चे विदेश में भाग रहे हैं। चिंता का विषय तो यह है कि युवाओं को रोजगार न मिलने की वजह से नशे और अपराध में जा रहे हैं। अरोड़ा ने कहा कि सरकार को चाहिए कि यहां के युवाओं को प्रतिभा के अनुसार उनको रोजगार एवं पैकेज मिले। युवाओं का हक मरना नहीं चाहिए। जिसे युवाओं की प्रतिभा का लाभ हमारा देश उठा सकेगा। प्रवासी भारतीय नरेंद्र जोशी ने बताया कि अशोक अरोड़ा से उनकी शिष्टाचार के नाते मुलाकात थी। अरोड़ा अमेरिका में भी उनके पास आए थे। जोशी ने कहा कि उनका राजनीति से कोई संबंध नहीं है। मेरा आपसी प्रेम एवं भाईचारा है जबकि मैं भारत आता हूँ तो सभी से पारिवारिक संबंधों के कारण मिलता हूँ।

कशिश चौधरी ओर तृप्ति को हरियाणा क्रिकेट टीम कैम्प के लिए चुना गया

क्रिकेट को कहा जाता है खेलों का राजा: सुमित नरवाल

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल, सुमित नरवाल क्रिकेट एकेडमी की लडकियां कशिश चौधरी ओर तृप्ति को 2023-2024 सत्र के लिए अंडर 19 ओर अंडर 15 हरियाणा राज्य क्रिकेट टीम कैम्प के लिए चुना गया है।

जानकारी देते हुए क्रिकेटर सुमित नरवाल ने कहा कि इसके लिए हम हरियाणा क्रिकेट एसोसिएशन के बहुत आभारी हैं कि जिन्होंने इन बच्चों की प्रतिभा को देखते हुए आगे बढने का मौका दिया है उन्होंने कहा कि देश में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। जब भी प्रतिभाओं को मौका मिलता है, वे अपनी प्रतिभा के बल पर क्षेत्र का नाम रोशन करते हैं।

क्रिकेट खेल के बारे बोलते हुए उन्होंने कहा कि क्रिकेट भारत के साथ- साथ अन्य कई देशों का भी पसंदीदा खेल है, यह खेल बच्चों, युवाओं यहाँ तक को बुजुर्गों को भी बड़ी आसानी से अपनी ओर आकर्षित कर लेता है। दुनिया के कई देशों में इसे फुटबल,बेसबाल तथा अन्य बाहरी खेलों से ज्यादा ख्याति प्राप्त है ओर क्रिकेट को भारत में भरपूर प्रेम मिला है । लेकिन क्रिकेट ने भी भारत को अनेक अवसरों पर सम्मान दिलाया है । उन्होंने कहा कि क्रिकेट राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर खेला जाता है। इस खेल की शुरुआत हुई इंग्लैंड में। 1700 के दशक की शुरुआत में अंग्रेजों द्वारा क्रिकेट को भारतीयों के लिए पेश किया गया था। यह खेल भारत में सभी के दिलों में राज करता है और इसलिए इसे 'खेलों का राजा' कहा जा सकता है। लाखों प्रशंसक इस खेल को देखते हैं, और हर जगह उत्साह का माहौल होता है। इसका आनंद बूढ़े और जवान सभी उठाते हैं। वर्षों से, इस खेल ने एक बहुत बड़ा प्रशंसक-आधार इकट्ठा किया है, जो हमारे देश में भावनात्मक रूप से इसके साथ जुड़ता है।

सभी तरह के विज्ञापन लगवाए उचित दामों में नाम परिवर्तन, बेदखली,नोटिस, खोया पाया, वैवाहिकी,आवश्यकत, बधाई संदेश, कोर्ट नोटिस,बोली सूचना, नीलामी सूचना, बैंक नोटिस, व्यवसायिक गतिविधियां। संपर्क करें। जरनैल सिंह रंगा पत्रकार मो.9138203233

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा ढिंगरा प्रिंटिंग प्रैस, अग्रसैन चौंक, मोहन नगर, कुरुक्षेत्र से छपवाकर कार्यालय 'गजब हरियाणा' कोठी नं0 890 पी, सैक्टर-4, अर्बन इस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया। सम्पादक जरनैल सिंह (91382-03233) Registration Namber : HAR/HIN /2018/77311